महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 312 | उज्जैन, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

जीवन के अनुभव उस अंजान सड़क के मोडों की तरह होते हैं,जो बिना सफर किए मालूम नहीं होते!!

माताओं-बहनों को सर्वोपरि रखने की है हमारी संस्कृति : मुख्यमंत्री

किसानों से गेहूं का एक-एक दाना खरीदेगी राज्य सरकार

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति माताओं-बहनों का सर्वोपरि रखने की रही है। बहनों को विधानसभाओं और लोकसभा में आरक्षण दिलवाने के लिए हमारी सरकार लड़ाई लड़ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सबको साथ लेकर चलने के लिए सभी से अपील की थी, लेकिन कुछ राजनैतिक दलों को बहनों को उनका अधिकार देने में जरा भी दया नहीं आई। पहले भी बहनों के भरण पोषण के भत्ते से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी इन लोगों ने ही ठुकरा दिया था। राज्य सरकार माताओं-बहनों का सम्मान करते हुए लाड़ली बहना योजना के माध्यम से बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात दे रही है। प्रदेश के 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में महिला अधिकारी एसपी हैं और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। सागर जिले में सांसद, महापौर भी महिलाएं हैं। प्रदेश भर में प्रमुख पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी जा रही है, लेकिन कई राजनैतिक दलों को नहीं सुहाता है। माताएं-बहनें सब कुछ भूल सकती हैं, पर अपना अपमान कभी नहीं भूल सकती हैं, बहनों से यही अपील है कि मौका मिलने पर हिसाब जरूर चुकता करना है। हमारा पूर्ण संकल्प है कि आज नहीं तो कल प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में इन बहनों को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवा कर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, नरयावली, सागर में विकास कार्यों के भूमि पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन के प्रारंभ में बुंदेल केसरी महाराजा छत्रसाल और डॉ. हरिसिंह गौर को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरयावली में 27 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विद्यालय नहीं, हमारी 5 हजार साल पुरानी विरासत का प्रतीक है। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने वाले श्रीकृष्ण हमारे आदर्श हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरयावली में 41 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से 36 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें विभिन्न पंचायतों में बने 12 सीसी रोड शामिल हैं। क्षेत्र की जनता को नए सामुदायिक भवनों और आंगनवाड़ी भवनों की भी सौगात मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आज 17 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से 62 विकास कार्यों का भूमि-पूजन भी किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए सरकार प्रयासरत है। अब कृषक कल्याण वर्ष में किसानों को आगे बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही हैं। बुंदेलखंड की धरती वीरों और महावीरों की धरती है। बुंदेलखंड के लोग हर क्षेत्र में दक्ष थे, लेकिन प्रकृति की मार पड़ी तो पानी की कमी हो गई और खेती प्रभावित होने से पलायन शुरू हो गया। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में यहां केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना की सौगात मिली है। इस 1 लाख करोड़ रूपए की परियोजना से बुंदेलखंडवासियों के पीने के पानी की समस्या हल होगी। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। उद्योग-धंधे स्थापित होंगे। सागर में इंडस्ट्रियल पार्क का कार्य तेजी से हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को 5 रुपए में बिजली का अस्थाई कनेक्शन दिया जा रहा है। किसानों को 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देकर 2625 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य पर गेहूं खरीदा जा रहा है। किसानों से किए सभी वादों को पूरा करते हुए आगामी वर्षों में 2700 रुपए से अधिक भाव पर गेहूं खरीदा जाएगा। किसान भाइयों की मेहनत से प्रदेश में इस वर्ष गेहूं उत्पादन भी बढ़ा है। अब पॉली बैग्स का विकल्प निकाला गया है। राज्य सरकार ने गेहूं का एक-एक दाना खरीदने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार पहले छोटे और मध्यम वर्ग के किसान और उसके बाद बड़े किसानों का गेहूं खरीद रही है। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के लिए 78 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीद का कोटा तय किया है, लेकिन इस बार गेहूं का उत्पादन दोगुना हुआ है, इसीलिए केंद्र सरकार से गेहूं खरीद का कोटा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी राज्य सरकार ने भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत लाभान्वित कर उपज का उचित दाम दिलवाया था। सच्चा वादा, पक्का काम, प्रेम से बोलो जय श्रीराम हमारी सरकार का नारा है। जो कहा है, उसे पूरा करके दिखाया है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में नए सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं। प्रदेश में स्कूल, कॉलेज, बांध, सड़कें और उद्योग सहित अन्य विकास कार्यों के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसानों से भूमि अधिग्रहित की जाती है। जमीन ही किसानों का आसरा होती है। इसीलिए सरकार ने निर्णय लिया है कि किसानों को भूमि अधिग्रहण करने पर कलेक्टर रेट से 4 गुना मुआवजा दिया जाएगा। किसानों की आय में वृद्धि के लिए कृषि के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने 16 विभागों को एक साथ जोड़कर योजनाएं तैयार की हैं। सहकारिता के माध्यम से सरकार आगे बढ़ रही है।

न्यूज ब्रीफ

विवाद के बाद ट्रंप ने भारत को बताया महान देश, बोले- पीएम मोदी मेरे सबसे अच्छे दोस्त

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हेल-होल विवाद के बाद आज गुरुवार को भारत की तारीफ की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि भारत का नेतृत्व एक बहुत अच्छा दोस्त कर रहा है। नई दिल्ली में स दूतावास के प्रवक्ता क्रिस्टोफर एल्म्स ने बताया कि रिपब्लिकन नेता ने भारत के बारे में बहुत अच्छी बातें कहीं, उसे एक महान देश बताया और कहा कि भारत के नेता के साथ उनकी निजी दोस्ती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, भारत एक महान देश है, जिसके शीर्ष पर मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है। ट्रंप का ये बयान हेल-होल विवाद के बाद आया है। एक दिन पहले ट्रंप ने अमेरिकी राजनीतिक टिप्पणीकार और रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट से एक नस्लवादी टिप्पणी को रीपोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने भारत, चीन और दूसरे देशों को नरक के गड्ढे कहा था। MEA के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस विवाद पर जवाब देते हुए कहा, हमने कुछ रिपोर्ट्स देखी हैं। मैं बस इतना ही कहूंगा। अमेरिका के जन्मसिद्ध नागरिकता कानून में बदलाव की मांग करते हुए अपने नस्लवादी बयान में, सैवेज ने आरोप लगाया कि दो एशियाई देशों के लोग अमेरिका में नौवें महीने में बच्चा पैदा करने आते हैं और यह कानून उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिक बना देता है। सैवेज ने लिखा, इन लोगों ने इस देश को उन सभी माफिया परिवारों से भी ज्यादा नुकसान पहुंचाया है, जितने भी आज तक हुए हैं। मेरी राय में, लैपटॉप वाले गुंडे। इन्होंने हमें पूरी तरह लूट लिया है, हमारे साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा बर्ताव किया है, तीसरी दुनिया को हावी होने दिया है, हमारे झंडे का अपमान किया है। ट्रंप ने सैवेज के पॉडकास्ट सैवेज नेशन की ट्रांसक्रिप्ट और वीडियो को शेयर किया, जिसमें उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के तर्कों की कड़ी आलोचना की थी।

चीन से लेकर राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में किताब की प्रति लहराने पर बोले जनरल नरवणे

नई दिल्ली/ जीएनएस। पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी अप्रकाशित किताब को लेकर उठे विवाद पर पहली बार खुलकर बात की है। उन्होंने जो उचित समझो, वो करो वाले बयान का मतलब समझाते हुए कहा कि यह सरकार का सेना पर पूरा भरोसा दिखाता है और इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि इस बयान का अर्थ था कि सेना को हालात के हिसाब से निर्णय लेने की पूरी छूट दी गई थी। उनके मुताबिक, सरकार को सेना की क्षमता और नेतृत्व पर पूरा विश्वास था कि वे हर पहलू को ध्यान में रखकर सही फैसला लेंगे। जनरल नरवणे ने यह भी कहा कि सेना पूरी तरह गैर-राजनीतिक संस्था है और इसे राजनीति में नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने पड़ोसी देश पाकिस्तान पर इशारा करते हुए कहा कि वहां सेना अक्सर नागरिक सरकार पर हावी रहती है, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। यह विवाद फरवरी में संसद के बजट सत्र के दौरान शुरू हुआ था, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जनरल नरवणे की अप्रकाशित किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी का जिक्र किया। हालांकि, किताब प्रकाशित नहीं होने के कारण उन्हें स्पीकर ने रोक दिया था।

दूरगामी नतीजे होंगे, राष्ट्रपति शासन भी लग सकता है; बंगाल पर सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। साल की शुरुआत में आई-पैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर और दफ्तर पर पड़े ईडी के छापे और उसके बाद ममता बनर्जी द्वारा कथित बाधा उत्पन्न किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई। कोर्ट ने गुरुवार को अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि संवैधानिक तंत्र के ठप होने के तर्क के काफी दूरगामी नतीजे होंगे, क्योंकि इससे राष्ट्रपति शासन भी लग सकता है। हालांकि, ईडी ने साफ किया कि वह यह तर्क नहीं दे रहा है कि पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से संवैधानिक तंत्र ठप हो गया है।

लाइव लॉ के अनुसार, सॉलिसिटर जनरल ने साफ किया कि ईडी का तर्क यह था कि I-PAC मामले में कानून के शासन का उल्लंघन हुआ है, और इसे संवैधानिक तंत्र की विफलता के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। इससे पहले, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि अगर कोई मुख्यमंत्री ईडी की जांच में दखल देता है तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। आठ जनवरी को कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर और को फाउंडर जैन के घर पर ईडी ने तलाशी ली थी। बहस के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि राज्य में कानून-व्यवस्था का पूरी तरह से उल्लंघन हुआ है, और मुख्यमंत्री का यह कदम कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले भी इसी तरह के काम किए हैं। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह एक बड़ी चिंता है, जिस पर जस्टिस ने जवाब दिया कि हमें उम्मीद है कि आप उसी ओर संकेत नहीं कर रहे हैं।

बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के लिए प्रचार करेंगे केजरीवाल, पार्टी बोली- ममता दीदी ने बुलाया है

नई दिल्ली/ जीएनएस। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। इस बात की जानकारी देते हुए पार्टी सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल 26 अप्रैल और 27 अप्रैल यानी आने वाले रविवार और सोमवार को दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का प्रचार करेंगे।

आम आदमी पार्टी ने बताया कि केजरीवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के निमंत्रण पर राज्य का दौरा करेंगे और उनके लिए जनता से समर्थन मांगेंगे।

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा वहां मतदान के दूसरे चरण के लिए तृणमूल के चुनाव प्रचार अभियान के तहत जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इससे एक दिन पहले बुधवार को केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया था कि उन्होंने फोन पर ममता बनर्जी से बात की है और उनके प्रति अपनी पूरी एकजुटता और समर्थन जताया है।

22 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान से एक दिन पहले ङ्ग पर लिखी अपनी एक पोस्ट में केजरीवाल कहा था, 'अभी ममता दीदी से फोन पर बात हुई है।

इंडिया के मुंह पर, पूर्व अमेरिकी राजदूत ने भारत नीति पर ट्रंप प्रशासन को जमकर लताड़ा

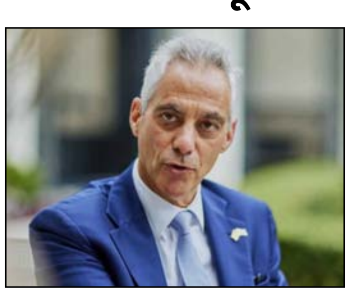

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत के साथ रिश्ते लगातार खराब होते गए हैं। इसी क्रम को लेकर जापान में अमेरिका के पूर्व राजदूत और रहम इमैनुएल ने ट्रंप प्रशासन के ऊपर जमकर हमला बोला है। डेमोक्रेटिक पार्टी से अगले राष्टपति उम्मीदवार माने जा रहे रहेम ने कहा कि अमेरिका के पिछले कई राष्टपति भारत के साथ रिश्तों को सुधारने में लगे हुए थे। लेकिन ट्रंप ने आकर सब बिगाड़ दिया। रहेम ने कहा कि ट्रंप के दौर में वाशिंगटन ने वास्तव में भारत के मुंह पर थूका है।

हॉवर्ड कैनेडी स्कूल के एक कार्यक्रम में अमेरिकी विदेश नीति पर बात करते हुए रहेम ने ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ट्रंप प्रशासन ने वास्तव में भारत के चेहरे पर थूका है। भारत को अमेरिका के करीब लाना पिछले 30 सालों से हर राष्टपति का सपना रहा है। सभी ने इसकी कोशिश की है। लेकिन ट्रंप ने भारत की जगह पर पाकिस्तान को चुना है। ट्रंप ने जो किया है, वह मैं नहीं करता।

गौरतलब है कि रहेम का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब पिछले 1.5 सालों से भारत और अमेरिका के रिश्ते लगातार खराब होते जा रहे हैं। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के स्टैंड से अलग हटकर पाकिस्तान का समर्थन किया। उसके बाद उन्होंने रूसी तेल खरीद को लेकर भारत के ऊपर टैरिफ भी ठोक दिया। बात यहीं नहीं थमी, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भारत की अर्थव्यवस्था को मरी हुई तक कह दिया। इसके बाद भी ट्रंप भारत के प्रति सख्त रुख अपनाए रहे।

अमेरिका का ट्रंप प्रशासन इस समय भारत से ज्यादा पाकिस्तान के करीब नजर आ रहा है। इस्लाबाद में ईरान के साथ शांति वार्ता चल रही है। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ट्रंप लगातार तरीफ करते रहते हैं।

साल्टलेक से शाह तो कालीघाट से ममता ने संभाली कमान, सभी बूथ पर दोनों की पैनी नजर

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दिन गुरुवार को अमित शाह और ममता बनर्जी अपने-अपने वॉर रूम से चुनावी रणनीति को निर्देशित करते नजर आए। गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता के उपनगर साल्टलेक से रियल-टाइम वोटिंग और बूथ-स्तरीय फीडबैक पर नजर रख रहे थे, जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शहर के केंद्र कालीघाट से चुनावी गतिविधियों की मानिटरिंग कर रही थीं।

ममता बनर्जी के साथ उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी मौजूद थे। वहीं अमित शाह के साथ केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जो बंगाल चुनाव में पार्टी की रणनीति संभाल रहे हैं। सुबह से ही कालीघाट, जो सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का प्रमुख राजनीतिक केंद्र है, एक कमांड हब में तब्दील हो गया। ममता और अभिषेक बनर्जी मतदान के रुझानों, जिलों से आ रही रिपोर्ट और किसी भी गड़बड़ी के संकेतों पर लगातार नजर बनाए हुए थे।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में रिकॉर्ड 92.35% वोटिंग, दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक मतदान; कलिंपोंग सबसे नीचे

नई दिल्ली/ जीएनएस। चुनावी हिंसा के लिए दशकों से कुख्यात बंगाल में इस बार बिल्कुल उलट नजारा दिखा। विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत गुरुवार को राज्य के 16 जिलों की 152 सीटों पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। विशेष गहन पुनरीक्षण (एफआईआर) की लंबी प्रक्रिया के बाद हुए इस पहले मतदान को लेकर हरेक वर्ग का भारी उत्साह देखने को मिला।

मतदान केंद्रों पर अभूतपूर्व सुरक्षा बंदोबस्त के बीच युवाओं से लेकर वरिष्ठजनों तक सबने वोट डाला। महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। विभिन्न राज्यों से लौटे प्रवासी श्रमिकों ने भी अच्छी संख्या में मतदान किया। बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के अनुसार रात 9 बजे तक 92.35 प्रतिशत वोट पड़े हैं, जो 2021 की तुलना में 10 प्रतिशत से भी अधिक है।

चूंकि विभिन्न मतदान केंद्रों में शाम छह बजे के बाद भी मतदाताओं की कतारें लगी थीं, इसलिए अंतिम आंकड़ा बढ़ सकता है। शाम छह बजे तक दक्षिण दिनाजपुर में 94.87 प्रतिशत व कूचबिहार में 94.58 प्रतिशत प्रतिशत वोट पड़े। बंगाल की सबसे हाट सीट में से एक नंदीग्राम में 91.87 प्रतिशत मतदान हुआ। मालूम हो कि 2021 के विस चुनाव में इन 16 सीटों पर 81.46 प्रतिशत वोट पड़े थे।

चुनावी विश्लेषक बंपर वोटिंग के दो महत्वपूर्ण कारण एसआइआर का असर व सुरक्षा की भावना बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआइआर के बाद लोग वोट देने को लेकर और सजग हुए हैं, वहीं बहुतों ने सूची से नाम कटने की आशंका से मतदान किया है। चुनाव आयोग की ओर से इस बार की गई अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था से भी वोट प्रतिशत बढ़ा है।

मालूम हो कि पहले चरण के लिए केंद्रीय बलों की 2407 कंपनी, 2193 क्विक रिस्पांस टीम व 40,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के साथ ही बूथों पर भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी।

इस दिन कई जिलों में तापमान 40 डिग्री पर पहुंच गया था, लेकिन लोगों के उत्साह को पिघला नहीं पाया। लोग धूप, तपिश व उमस को धता बताकर मतदान केंद्रों पर पहुंचे।

छिटपुट घटनाओं से नहीं छूटा पीछा- मतदान के दौरान कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं होने पर भी छिटपुट घटनाएं जरूर हुईं। बीरभूम जिले के दुबराजपुर विस क्षेत्र के खयरासोल में केंद्रीय बलों पर कुछ लोगों ने पथराव किया। इसमें छह जवान घायल हो गए। उन्होंने पुलिस के वाहन में भी तोडफ़ोड़ की। वहीं दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुमारगंज में भाजपा प्रत्याशी को पीटने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

उद्धव ठाकरे की राह में कांग्रेस ही अटकाना चाह रही रोड़ा? सुप्रिया खुलकर आईं साथ

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाड़ी की घटक पार्टी NCP (SP) ने गुरुवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से अगले महीने होने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में विपक्ष की एकमात्र जीतने लायक सीट से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। वहीं, सहयोगी कांग्रेस ने कहा कि तीनों पार्टियां मिलकर इस पर फैसला लेंगी। दरअसल, कांग्रेस वहां से अपना उम्मीदवार उतारना चाहती है, जो उद्धव की राह में बड़ा रोड़ा हो सकता है और विधान परिषद में शिवसेना प्रमुख का लौटना मुश्किल हो सकता है।

इसी कड़ी में NCP (SP) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने गुरुवार को ठाकरे से परिषद चुनाव लड़ने की अपील करते हुए कहा कि उनका अनुभव राज्य को आगे भी मार्गदर्शन देता रहेगा। हालांकि, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने भी ठाकरे से उनके आवास मातोश्री पर जाकर मुलाकात की और उनसे बातचीत की। इस मुलाकात के बाद सपकाल ने कहा कि ठाकरे MVA का चेहरा हैं और अगर वह परिषद चुनाव लड़ते हैं तो लोग खुश होंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि MVA की तीनों घटक पार्टियां आपस में सौहार्दपूर्ण बातचीत करके इस पर फैसला लेंगी।

परिषद के नौ सदस्य, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और विधान परिषद की उपाध्यक्ष नीलम गोर्हे शामिल हैं, 13 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, मतदान 12 मई को होगा। ठाकरे नवंबर 2019 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का पद संभालने के लगभग छह महीने बाद, मई 2020 में विधान परिषद के सदस्य बने थे।

दूसरी तरफ, एक बयान में सुप्रिया सुले ने कहा कि ठाकरे एक वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं, जिनकी सदन में उपस्थिति से राज्य और विधानमंडल दोनों को लाभ होगा। बारामती से लोकसभा सांसद ने कहा, ÷उद्धवजी ठाकरे एक मंझे हुए नेता हैं। उनका अनुभव राज्य को मार्गदर्शन देता रहेगा और परिषद के कामकाज को समृद्ध करेगा। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे इस अपील पर सकारात्मक रूप से विचार करें। वहीं, ठाकरे के साथ अपनी मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सपकाल ने कहा कि उनकी चर्चा MVA के भीतर संवाद पर केंद्रित थी, न कि विधान परिषद चुनावों पर। उन्होंने कहा कि ठाकरे MVA का चेहरा हैं और अगर वह परिषद चुनाव लड़ते हैं तो लोग खुश होंगे।

इंदौर में मध्यप्रदेश डोमेस्टिक एंड इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर का लोकार्पण हुआ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश डोमेस्टिक एंड इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर का लोकार्पण उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर परिसर में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति, उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री विवेक रुसिया प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर, न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला प्रशासनिक न्यायाधिपति, उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

लोकार्पण कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने कहा कि आर्बिट्रेशन उनका पसंदीदा विषय है तथा यह घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मामलों के निराकरण का एक प्रभावी एवं आधुनिक माध्यम है। उन्होंने उल्लेख किया कि इंदौर व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध शहर है, जहाँ अनेक प्रतिष्ठित व्यापारिक संस्थान एवं औद्योगिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। ऐसी परिस्थिति में यह आर्बिट्रेशन सेंटर भविष्य में इंदौर को एक प्रमुख आर्बिट्रेशन हब के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखता है।

न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने कहा कि वर्तमान में यह केंद्र एक हाल, डायरेक्टर चैम्बर एवं कार्यालय कक्ष के साथ प्रारम्भ किया जा रहा है, किन्तु भविष्य में इसके इन्फ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी संसाधनों एवं मानव संसाधन (मैन पावर) को क्रमशः सुदृढ़ एवं विस्तारित किया जाएगा, जिससे यह केंद्र अधिक व्यवस्थित, सक्षम एवं प्रभावी रूप में विकसित हो सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला, प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ, इंदौर ने कहा कि प्रदेश का प्रथम आर्बिट्रेशन सेंटर जबलपुर में प्रारंभ हुआ था और अब इंदौर में द्वितीय आर्बिट्रेशन सेंटर का शुभारंभ होना न्यायिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रकार के अत्याधुनिक आर्बिट्रेशन सेंटर की स्थापना समय की आवश्यकता है, जो विवादों के शीघ्र एवं विशेषज्ञ समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा।

इंदौर में सफाई पर सख्तीः आयुक्त का निरीक्षण, लापरवाही पर निलंबन और जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया और जहां भी गड़बड़ी मिली, वहां तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सफाई कार्य असंतोषजनक पाया गया, जिस पर संबंधित कर्मचारियों और एजेंसियों पर सख्त कदम उठाए गए।

आयुक्त ने अरिहंत नगर, लुनियापुरा रेलवे क्रॉसिंग, लोहा मंडी, गाड़ी अड्डा रेलवे क्रॉसिंग, अन्नपूर्णा तालाब, सैफी नगर रेलवे स्टेशन, राजेंद्र नगर, कैलाश मार्ग और पुलिस लाइन सहित कई इलाकों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गाड़ी अड्डा रेलवे क्रॉसिंग के पास कचरा और गंदगी मिलने पर संबंधित सीएसआई को फटकार लगाई गई और वार्ड दरोगा रविंद्र खोड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए गए।

वहीं, लोहारपट्टी, कैलाश मार्ग, अहिल्यापुरा चौराहा और पुलिस लाइन क्षेत्रों में भी सफाई व्यवस्था खराब मिलने पर दरोगा पृथ्वीसिंह चौहान और दुश्यंत बोड़े का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। राजेंद्र नगर स्थित कम्युनिटी टॉयलेट के निरीक्षण के दौरान भी गंदगी और अनियमितताएं सामने आईं, जिस पर संबंधित एजेंसी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया और सीटीपीटी सुपरवाइजर का 10 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शहर में सफाई व्यवस्था के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इंदौर के दो प्रमुख रूफटॉप रेस्टोरेंट सील, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पड़ी भारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी तेज होते ही आग लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा अग्नि सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा और जांच के लिए भी अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों और व्यावसायिक संस्थानों में आग से बचाव के लिए पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करना है। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ प्रशासन द्वारा निरंतर कड़ी कार्रवाई की जा रही है ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

इसी अभियान की कड़ी में आज नगर निगम के जोन क्रमांक 07 और वार्ड क्रमांक 29 के अंतर्गत आने वाले पीयू 3 स्कीम नंबर 54 क्षेत्र में प्रशासनिक टीम ने दबिश दी। यहां भूखंड क्रमांक 13-14 और 32-33 पर स्थित भवनों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि इन भवनों की छतों पर संचालित हो रहे कबीला वेज बारबेक्यूज एवं एयरन हाइट रेस्टोरेंट एंड किचन में अग्नि सुरक्षा से जुड़े अनिवार्य उपकरण और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। सुरक्षा मानकों के अभाव के साथ-साथ यहां बिना किसी आधिकारिक स्वीकृति के किचन का संचालन भी किया जा रहा था।

अनियमितताओं के चलते संस्थानों को किया गया तत्काल सील- रेस्टोरेंट संचालकों द्वारा बरती गई इन गंभीर अनियमितताओं और सुरक्षा के प्रति लापरवाही को देखते हुए प्रशासन ने कठोर कदम उठाया। मौके पर ही दोनों रूफटॉप रेस्टोरेंट्स को तत्काल प्रभाव से सील करने की कार्रवाई की गई।

कृषि भूमि अधिग्रहण पर 4 गुना मुआवजाः सरकार का फैसला ऐतिहासिक- उषा ठाकुर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कृषि भूमि के भू-अर्जन पर किसानों को बाजार दर का चार गुना मुआवजा देने के निर्णय का भाजपा नेताओं ने स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया है। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक उषा ठाकुर और जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय किसानों के हित में एक बड़ा और सराहनीय कदम है।

नेताओं ने कहा कि इस फैसले से प्रदेश के लाखों किसानों में खुशी का माहौल है और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसे किसानों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करने वाला निर्णय बताते हुए कहा कि इससे न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि प्रदेश के विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं, सड़क, पुल, रेलवे सहित अन्य विकास कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण आवश्यक होता है। ऐसे में किसानों को उचित मुआवजा मिलना बेहद जरूरी है, जिससे विकास और किसान हित दोनों सुनिश्चित हो सकें। पिछले वर्षों में भी किसानों को हजारों करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है और अब नई नीति से उन्हें और अधिक लाभ मिलेगा।

भाजपा नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा स्वीकृत बजट के माध्यम से सिंचाई, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आधारभूत सुविधाओं में सुधार होगा, जिसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। यह निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसानों के प्रति संवेदनशीलता और उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने प्रदेश के किसानों से अपील की कि वे सरकार के इस निर्णय का स्वागत करें और विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

जनगणना 2026-27: आयुक्त ने भरा डिजिटल स्व-गणना फॉर्म, नागरिकों से की भागीदारी की अपील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2026-27 के तहत डिजिटल प्रक्रिया को बढ़ावा देते हुए आयुक्त क्षितिज सिंघल ने नेहरू पार्क स्थित स्मार्ट सिटी ऑफिस में स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपना डिजिटल फॉर्म भरकर जमा किया। इस पहल के जरिए उन्होंने नागरिकों को डिजिटल माध्यम से जनगणना में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आयुक्त श्री सिंघल ने बताया कि वर्तमान में जनगणना की प्रक्रिया डिजिटल पोर्टल के माध्यम से स्वयं के द्वारा पूरी की जा सकती है, जिससे नागरिकों को सुविधा मिल रही है। स्व-गणना फॉर्म भरने के बाद एक SE ID (स्व-गणना आईडी) प्राप्त होती है, जिसे बाद में आने वाले जनगणना अधिकारी को साझा करने पर आगे की प्रक्रिया तेजी से पूरी हो जाती है। उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक जनगणना के इस राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाएं और डिजिटल पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना फॉर्म स्वयं भरकर सहयोग प्रदान करें, ताकि प्रक्रिया को सरल, तेज और प्रभावी बनाया जा सके।

सोलर उपभोक्ता को दोहरा लाभ, सोलर की यूनिट फ्री एवं स्मार्ट मीटर से खपत में 20% की छूट

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत एक किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवॉट तक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है जिसके तहत शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट मिली है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे छूट के तहत यह रियायत प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत यह छूट प्रदान की जा रही है।

अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 9 आरोपियों को किया गया जिलाबदर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 9 आरोपियों को जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार आरोपियों को छः-छः माह के लिये जिलाबदर किया गया है। उक्त सभी अपराधियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में अनेक अपराधिक प्रकरण दर्ज है। जिला बदर आरोपियों में मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गिट्टी फोड़ा निवासी धर्मपाल उर्फ धनपाल पिता देवकरण सिंगारे , ग्राम खुर्दा निवासी रितिक पिता घनश्याम जयसवाल, ग्राम अम्बाड़ा सागलाखली निवासी जमनालाल पिता नारायण कटारे, ग्राम गोलखेड़ा निवासी सारंग पिता बोंदर गावड़, किसान मोहल्ला निवासी पम्मी उर्फ निजीत्व पिता परसराम जाट और बसौड़ मोहल्ला निवासी अभि उर्फ अभिषेक पिता अशोक मेढ़ा सम्मिलित है।

इसी प्रकार महू थाना क्षेत्र मोती महल टॉकिज निवासी पप्पू उर्फ मोहम्मद मुकीम पिता असलम (भंगारवाला), पत्ती बाजार महू ?निवासी अजहर नूर पिता ईस्माईल नूर और कंचन विहार खान कॉलोनी निवासी मुदस्सर खान पिता गोहर खान शामिल है।

इंदौर में ट्रैफिक पर ड्रोन की नजरः नियम तोड़ने वालों पर त्वरित कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने ड्रोन सर्विलांस का दायरा लगातार बढ़ा दिया है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अब शहर के प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर पिक आवर्स के दौरान ड्रोन के जरिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से पलासिया, विजयनगर, राजवाड़ा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में यातायात गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। ड्रोन से प्राप्त जानकारी के आधार पर मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस टीम द्वारा नो-पार्किंग, सिग्नल उल्लंघन और रॉन्ग साइड जैसे नियम तोड़ने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

यातायात पुलिस ने शहर के चारों जोनों में अलग-अलग ड्रोन टीमों को तैनात किया है, जो लगातार व्यस्त समय में निगरानी कर रही हैं। राजवाड़ा, यशवंत रोड, जवाहर मार्ग, सराफा, संजय सेतु, नंदलालपुरा, गीताभवन, व्हाइट चर्च, पलासिया, विजयनगर और अन्य क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए ट्रैफिक की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

ड्रोन में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से आम लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। जहां कहीं भी ट्रैफिक जाम या अव्यवस्था नजर आती है, वहां से तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना भेजी जाती है और नजदीकी ट्रैफिक पॉइंट पर तैनात टीम को अलर्ट कर स्थिति को तुरंत सामान्य कराया जाता है।

ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में भी शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर ड्रोन सर्विलांस के जरिए निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

डीएवीवी इंदौर के एमटेक स्टूडेंट को एक्स ने दिया 72 लाख रुपये का पैकेज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 की अपनी प्लेसमेंट रिपोर्ट जारी कर दी है। इस वर्ष प्लेसमेंट के आंकड़ों में पिछले सत्र की तुलना में सुधार देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष कुल 271 कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में हिस्सा लिया और विद्यार्थियों को 1091 जाब ऑफर किए, जिसमें लगभग 56 प्रतिशत छात्र और 44 प्रतिशत छात्राएं शामिल हैं।

वहीं, विद्यार्थियों का औसतन 5.3 लाख रुपये वार्षिक रहा। सत्र 2023-24 में कंपनियों की संख्या 219 थी और 1039 जॉब ऑफर छात्रों को मिले थे। वहीं, औसत पैकेज 5.14 लाख रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने छात्रों को हाई पैकेज ऑफर किए। माइक्रोसाफ्ट, अमेजन, गूगल और एक्स डॉट कॉम (ट्विटर) जैसी कंपनियों ने 50 लाख से अधिक के पैकेज ऑफर किए। एक्स डॉट कॉम (ट्विटर) ने सबसे अधिक 72 लाख रुपये का पैकेज आॅफर आईआईपीएस के पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एमटेक के छात्र आदित्य बंसल को दिया।

जबकि गूगल ने 62 लाख, अमेजन ने 52 लाख और माइक्रोसाफ्ट ने 51 लाख रुपये का ऑफर दिया। इसके अलावा डायचे बैंक, मास्टरकार्ड, बार्कलेज, जेडएस, बीएनवाई और नोमुरा जैसी कंपनियों ने भी कई छात्रों को नौकरी के अवसर दिए। खास बात यह है कि इस बार कंपनियों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है, पिछले सत्र में जहां कंपनियों की संख्या 219 थी, वहीं सत्र 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 271 पर पहुंच गई।

छात्रों, रिक्रूटर्स और एलुमनाई का बनाया डेटाबेस- कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई के अनुसार विश्वविद्यालय ने प्लेसमेंट को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें छात्रों, रिक्रूटर्स और एलुमनाई का एक केंद्रीय डेटाबेस तैयार किया गया। इसके अलावा स्किल डेवलपमेंट के लिए फ्रेमवर्क बनाया है। साथ ही डेटा स्ट्रक्चर और एल्गोरिदम को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोग्राम शुरू किए गए हैं, ताकि छात्रों को हाई पैकेज वाली कंपनियों में अवसर मिल सकें।

कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर बोले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष- उनका बयान कांग्रेस की ओछी मानसिकता दर्शाता है

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर राजनीति गरमा गई है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की निम्न स्तरीय भाषा का उपयोग करना खड़गे और कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। उनका गैर जिम्मेदाराना बयान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गिनती विश्व के लोकप्रिय नेतागणों में होती हैं। वे हमारे देश की आन बान और शान है। खड़गे भी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। भाजपा के शिविर में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर देश की जनता ने चुना है। कांग्रेस के नेताओं को अपनी वाणी को संयत रखना चाहिए। खड़गे पहले भी उनके खिलाफ विवादित बयान दे चुके हैं। कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों में हमेशा बाधा बनती है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को भी मंजूर नहीं होने दिया और इसका वह जश्न मना रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव दोपहर तीन बजे इंदौर आए। वे एयरपोर्ट से सीधे डेली कॉलेज पहुंचे। यहां आयोजित भाजपा के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वे शामिल हुए। शिविर स्थल पर स्थानीय नेताओं ने उनकी अगवानी की। यादव ने शिविर को संबोधित भी किया और संगठन और सरकार से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी।

एसी का तापमान 27 डिग्री सेट करने पर बिजली बिल में 30 फीसदी तक की कमी

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने से बिजली बिल अधिक आता है, लेकिन कुछ तरीके अपना कर बिजली बिल में कमी की जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने जानकारी दी है कि एक शोध से यह साबित हुआ है कि एसी का तापमान 27 डिग्री पर सेट करने से बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक कमी हो सकती है। शोध के अनुसार, प्रत्येक डिग्री तापमान में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्प्लिट एसी की ऊर्जा खपत में 6 प्रतिशत की कमी आती है। दरसअल कमरे को तुरंत ठंडा करने के लिए तापमान को 18 डिग्री तक कम करना एक आम गलतफहमी है। जबकि 27 डिग्री सेल्सियस तक कम करने में लगने वाला समय वही रहता है, चाहे आप एसी का तापमान 18 या 27 डिग्री सेल्सियस पर सेट करें। जब आप कम तापमान सेट करते हैं, तो कमरे के तापमान को कम करने के लिए कंप्रेसर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसके परिणामस्वरूप अधिक बिल आता है। यहां तक कि अगर आप थर्मोस्टेट को 18 डिग्री पर सेट करने के बाद कुछ मिनटों के भीतर एसी बंद कर देते हैं, तो विभिन्न लीक के माध्यम से ठंडी हवा के फैलने से तापमान तेजी से बढ़ जाएगा, जिससे आपका प्रयास व्यर्थ हो जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप थर्मोस्टेट को 27 डिग्री सेल्सियस पर सेट करते हैं और टाइमर को 2 घंटे के लिए सेट करते हैं और साथ में सीलिंग फैन चला देते हैं, तो यह आमतौर पर अच्छी नींद के लिए आरामदायक तापमान बनाए रखता है। इसलिए समझदारी से काम लेते हुए एसी को 27 डिग्री पर सेट करें तथा सीलिंग फैन एक या दो पाइंट पर जरूर चलाएं, ऐसा करने से बिजली बिल में कमी आ सकती है।

3:30 घंटे बस में सफर कर कोज्या पहुंचे कलेक्टरः रात्रि चौपाल में बिछात पर बैठकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

विद्युत, उर्वरक व पशुपालन हेतु मई के प्रथम सप्ताह में लगेगा शिविर, मेधावी छात्र एवं टी.बी. मरीज सम्मानित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा नीमच से 3ः30 घंटे का यात्री बस में सफर तय कर सुदूर क्षेत्र ग्राम कोज्या में आयोजित रात्रि चौपाल में पहुंचे। जिला अधिकारियों और ग्रामीणों संग रात्रि चौपाल में बिछात पर बैठकर कलेक्टर ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुए।

कलेक्टर ने एक-एक कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं एवं समाधान के निर्देश दिए। जिलाधिकारियों ने विभागीय योजनाओं से अवगत कराकर ग्रामीणों को लाभ लेने की प्रक्रिया बताई।

विद्युत आधार अपडेशन, उर्वरक, पशुपालन एवं सहकारी समिति संबंधित कार्यों और समस्याओं के समाधान के लिए मई के प्रथम सप्ताह में कोज्या में शिविर लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

टी.बी. मुक्त अभियान के तहत मरीज को फूड बास्केट वितरित किया गया। बच्चों को न्यूट्री बास्केट सुपोषण किट वितरित की गई। बोर्ड परीक्षाओं में प्रवीण्य सूची में आने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने आयुष आरोग्य मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागी बनने का आव्हान किया।

जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अमन वैष्णव, ए.डी.एम. श्री बी.एस. कलेश, एस.डी.एम. सुश्री प्रीति संघवी, डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन सहित सभी विभागों के जिला अधिकारियों ने उपस्थित होकर चौपाल पर ग्रामीणों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी एवं योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया भी बताई।

प्रारंभ में स्थानीय जनपद प्रतिनिधि एवं सरपंच प्रतिनिधि ने साफा बांधकर कलेक्टर व तिथियां का स्वागत किया।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए रात्रि चौपाल आयोजन के उद्देश्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। तत्पश्चात एक-एक कर ग्रामीणों से संवाद कर कलेक्टर ने उनकी समस्याएं सुनी और उनका समाधान करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए

किसानों के हक के लिए युवा कांग्रेस का 'किसान न्याय सत्याग्रह' जारी

केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है-दुर्गेश सिंह पटेल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला युवा कांग्रेस के तत्वावधान में किसानों की विभिन्न समस्याओं और उनके अधिकारों को लेकर 'किसान न्याय सत्याग्रह' का आयोजन किया जा रहा है। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल के नेतृत्व में यह आंदोलन लगातार जारी है। यह सत्याग्रह 15 अप्रैल से शुरू हुआ है, जो आगामी 15 दिनों तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अनवरत चलेगा। आंदोलन के माध्यम से युवा कांग्रेस किसानों की फसलों के उचित दाम, समर्थन मूल्य पर खरीदी की कानूनी गारंटी, फसल बीमा और लंबित मुआवजे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है।

इस दौरान संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों एवं व्यापार समझौतों के कारण किसानों की उपज के दाम प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। एमएसपी को कानूनी दर्जा देने से किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम सुनिश्चित मूल्य मिलेगा और उन्हें बाजार की अनिश्चितता से राहत मिलेगी। युवा कांग्रेस ने किसानों के हक और न्याय के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा और किसानों की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। युवा कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति जर्जर होती जा रही है। आंदोलनकारियों ने मांग की है कि जब तक किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य और एमएसपी पर कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक यह संघर्ष थमेगा नहीं। इस सत्याग्रह को मजबूती देने के लिए युवा कांग्रेस के प्रदेश और जिला स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेता सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। आंदोलन में प्रमुख रूप से युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष यश धनघोरिया, प्रदेश प्रभारी शिवसिंह चौहान, राष्ट्रीय सचिव व सह-प्रभारी दीपाली ससाने, जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, मंदसौर विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पुष्पा भारती, मल्हारगढ़ विस के पूर्व प्रत्याशी परशुराम सिसोदिया, प्रदेश सचिव कांग्रेस सोमिल नाहटा, संभाग प्रभारी युकां जावेद पटेल, जिला प्रभारी युकां पायल जैन और जिला सह-प्रभारी युकां जीतू पाटीदार, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष हनीफ शेख, सुनील बसेर, राजेंद्र सेठिया, जगदीश कोठारी, अनिल शर्मा, मजहर खान, दीपक गुर्जर, आदित्य पाटिल, अनिता भदौरिया, इष्टा भाचावत, मुकेश धाकड़, विकास दशोरा, सत्यनारायण पाटीदार, अजय लोढ़ा, शंकरलाल आंजना, निर्विकार रातडिया, सुरेश खचनारिया, अशोक राव, दिलीप पाटीदार, राखी सत्रावाला, वर्षा सांखला, सुनीता बंडी, प्रदेश महासचिव विनोद पटेल, युकां विधानसभा अध्यक्ष राकेश पाटीदार, बल्लू गुर्जर, हर्ष पाटीदार, गोविंद सिंह, जिला महासचिव जीवन चौहान, सुनील राठौर, नेहा जैन, देवेंद्र धाकड़ युकां विधानसभा उपाध्यक्ष मल्हारगढ़ राहुल यादव, युकां ब्लॉक अध्यक्ष सम्यक जैन, संदीप दास, जयंतीलाल चौधरी, जीतू बैरागी, जितेंद्र धनगर, नितिन शर्मा, महावीर भाटी, आदित्य राणा, सुरेन्द्र रावत, शैलेंद्र आंजना, दीपक प्रजापति, निलेश मीणा, आदर्श जोशी, यश श्रीवास्तव, भाविक सचेती और अक्षय सेठिया सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता व किसान भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शामगढ़ पुलिस ने दो प्रकरणों में अपहृत युवतियों को दस्तियाब किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरणों में अपहृत नाबालिग युवतियों को दस्तियाब किया है। बालिकाओं को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। पुलिस के अनुसार 5 मार्च को फरियादी ने अपनी नाबालिग बहन के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी।

इस पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। सायबर सेल की मदद गई। अनेक लोगों से पूछताछ की गई। साक्ष्य संकलन के बाद पुलिस टीम आगर, उज्जैन, इंदौर और खंडवा रवाना हुई जहां बालिका की खोजबीन की गई। इस तरह उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप दांगी के नेतृत्व वाली टीम ने 22 अप्रैल को अपहृत बालिका को औंकारेश्वर खंडवा से आरोपी दरबारसिंह निवासी ग्राम कुबडिया खेड़ी के कब्जे से सकुशल दस्तियाब किया। बालिका के बयान पर पाक्सो एक्ट एवं दुष्कर्म की धाराएं बढ़ाकर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। इसमें सहयोग करने पर नरेन्द्रसिंह पिता बगदूसिंह को भी आरोपी बनाया गया है।

इसके अलावा एक अन्य प्रकरण में 19 अप्रैल को फरियादी ने अपनी नाबालिग लड़की के अपहृत होने की शिकायत की थी। इस परभी प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। इस दौरान चौकी चंदवासा एवं शामगढ़ थाना पुलिस की टीम ने 21 अप्रैल को 48 घंटे के भीतर बालिका को दस्तियाब कर लिया। इसमें आरोपी दरबारसिंह निवासी लक्ष्मीपुरा को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी में दरबारसिंह पिता प्रहलादसिंह जाति सौंधिया 25 वर्षनिवासी कुबड़िया खेड़ा को तवा ली जिला आगर एवं दरबारसिंह पिता अंदरसिंह जाति ओढ़ 20 वर्ष निवासी लक्ष्मी पुरा थाना पीड़ावा जिला झालावाड़ राज है।

मामले में फरारी आरोपी नरेन्द्रसिंह पिता बगदूसिंह जाति सौंधिया निवासी लसुड़िया गोयल थाना झार्डा जिला उज्जैन की तलाश की जा रही है। इसकार्य में शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय, उपनिरीक्षक मनोज महाजन, रविन्द्र प्रताप दांगी, प्रआ आशीष बैरागी, मुजफ्फरउद्दीन, मनीष बघेल सायबर सेल, इरफान खान, मोकम सिंह, सुनील दायमा, महिला आरक्षक रेखा भाटी, आरक्षक ऋतु सोनी का सराहनीय योगदान रहा है।

गुरु आज्ञा अनुसार पुज्य आर्यिका श्री प्रशममति माताजी ससघ का हुआ मगल विहार

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में विराजमान आचार्य श्री ज्ञैय सागर जी महाराज कि परम प्रभावक शिष्या व अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के दिशा निर्देशन मे आर्यिका श्री प्रशममति माताजी आर्यिका श्री उपशममति माताजी ससघ का मंगल विहार 23 अप्रैल गुरुवार को प्रातः काल 6 बजे हो गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार माताजी ससघ का नगर मे आयोजित पन्चकल्याणक महामहोत्सव में माताजी का सानिध्य मिला है जहा पर धर्म प्रभावना के साथ मेवाड़ प्रान्त के नगरों कि और विहार किया माताजी ससघ का ऐतिहासिक 2025 का मंगल चातुर्मास नगर मे हुआ था पुज्य माताजी ससघ के मंगल विहार के दोरान बडी संख्या में गुरु सेवा संघ के सदस्य विहार में पेदर चल रहे थे माताजी का मंगल विहार धनगांव कि तरफ हुआ है विहार के दोरान पुज्य आर्यिका माताजी ने नगर में विराजमान मुनिश्री प्रणम्य सागर जी कि मंगल परिक्रमा लगा कर आशीर्वाद लिया व आज्ञा अनुसार आगे कि और मंगल विहार किया विहार के दोरान माताजी ससघ को ऐलक जी महाराज नगर के बाहर तक छोड़ने गए वही धनगांव कस्बे में प्रवेश के दोरान भी ढोल ढमाको के साथ साथ माताजी कि अगवानी कि उसके बाद माताजी ने मन्दिर जी भगवान के दर्शन कर भक्तों को मंगल उद्बोधन दिया इस दोरान बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

नाबालिग का विवाह रुकवाया- प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, परिवार को दी सख्त समझाइश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम अरणिया मीणा में बाल विवाह की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया और समय रहते नाबालिग का विवाह रुकवा दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही विभागीय टीम, पुलिस प्रशासन एवं संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच की।

जांच में सामने आया कि बालक की आयु 17 वर्ष 11 माह 28 दिन है, जो कानूनी विवाह आयु से कम है। इस पर अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विवाह की तैयारियां रुकवाई और परिजनों को समझाइश दी।

कार्रवाई के दौरान परियोजना अधिकारी, पुलिस, पैरालीगल वॉलंटियर्स और वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारियों ने अहम भूमिका निभाई। बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर अस्थायी रूप से ऑब्जर्वेशन होम में रखा गया।

अधिकारियों ने बालक व उसके माता-पिता को बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह कराना दंडनीय अपराध है, जिसमें दो वर्ष तक की सजा या एक लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि विवाह के लिए बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और बालक की 21 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही आमजन से इस कुरीति के खिलाफ जागरूक होकर सहयोग करने की अपील की गई है।

पिपलिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग तेज, भाजपा नेता राठौड़ ने की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले पिपलिया रेलवे स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव और यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही मांग अब और तेज हो गई है। इसी सिलसिले में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य संदीपसिंह राठौड ने नई दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया और शीघ्र समाधान की मांग रखी।

राठौड ने मंत्री को बताया कि पिपलिया नगर के साथ-साथ रामपुरा, मनासा एवं आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों नागरिक वर्षों से प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी है। रेलवे स्टेशन पर सीमित ट्रेनों के ठहराव के कारण यात्रियों को अन्य बड़े स्टेशनों तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय, खर्च और असुविधा झेलनी पड़ती है।

उन्होंने विशेष रूप से 19333/34 इंदौर-बीकानेर एक्सप्रेस एवं 04735/36 श्रीगंगानगर-इंदौर एक्सप्रेस के पिपलिया स्टेशन पर ठहराव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इन ट्रेनों के रुकने से क्षेत्र के श्रद्धालुओं को खाटूश्याम और सालासर धाम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक सीधी एवं सुविधाजनक रेल सेवा मिल सकेगी। वर्तमान में सीधी कनेक्टिविटी के अभाव में यात्रियों को कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है। राठौड़ ने यह भी उल्लेख किया कि पिपलिया क्षेत्र कृषि एवं व्यापार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां से बड़ी संख्या में व्यापारी एवं किसान विभिन्न शहरों की यात्रा करते हैं। यदि प्रमुख ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया जाता है, तो इससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए भी यह सुविधा अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, जिन्हें उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बड़े शहरों में आना-जाना पड़ता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने रेलवे स्टेशन पर कोच पोजीशन डिस्प्ले सिस्टम स्थापित करने की मांग भी रखी। वर्तमान में इस सुविधा के अभाव में यात्रियों को अपने कोच की जानकारी समय पर नहीं मिल पाती, जिससे प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ और अफरा-तफरी की स्थिति बनती है। कोच पोजीशन सिस्टम लागू होने से यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से ट्रेन में चढ़ने में सुविधा मिलेगी और दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। मंत्री सिंधिया से मुलाकात के दौरान राठौड ने जनभावनाओं का हवाला देते हुए आग्रह किया कि पिपलिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और आवश्यक सुविधाओं की शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित किया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मांग को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे क्षेत्र की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। क्षेत्रीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि लंबे समय से लंबित यह मांग अब पूरी होगी और पिपलिया रेलवे स्टेशन को आवश्यक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा।

क्रिकेट सट्टा करते युवक को पकड़ा, अब तक आईपीएल सट्टे के 5 प्रकरण दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली पुलिस ने ऑन लाईन क्रिकेट सट्टा करते एक आरोपी को पकड़ा है। थाना पुलिस द्वारा अब तक आईपीएल क्रिकेट सट्टे के पांच प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार 22 अप्रैल को थाने पर मुखबीर सूचना मिलने पर आरोपी भावेश पिता सुजानमल ओस्तवाल 34 वर्ष निवासी कर्मचारी कॉलोनी वार्ड मंदसौर को कालाखेत स्कूल मैदान से ऑन लाईन क्रिकेट सट्टा करते रंगे हाथ पकड़ा गया है। आरोपी के कब्जे से 80 हजार रुपए का ऑन लाईन क्रिकेट सट्टे का हिसाब व उसकी डायरी जब्ती में ली गई है। कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ के अनुसार इसके पूर्व भी आईपीएल क्रिकेट सट्टे से जुड़े चार प्रकरण दर्ज किए हैं, जिसमें अनुसंधार किया जाकर आगे की कार्रवाई जारी है।

खनिज विभाग ने अवैध उत्खनन पर 2 पोकलेन, 2 जेसीबी एवं 7 ट्रेक्टरों को जप्त किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खनिज विभाग की प्रभारी अधिकारी भावना सेंगर द्वारा बताया गया कि खनिज विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 प्रारंभ होते ही अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारणकर्ताओं के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की गई। खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए 02 पोकलेन, 02 जेसीबी एवं 07 ट्रेक्टरों को जप्त किया गया। जिन पर कार्यवाही प्रचलित है। उक्त क्रम में उत्खनिपट्टो की जांच के दौरान 02 उत्खनिपट्टा पर स्वीकृत क्षेत्र के बाहर खनन होना पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध नियमानुसार अवैध उत्खनन के प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। समस्त प्रकार के खनिजों के अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण की प्रभावी रोकथाम हेतु भविष्य में भी खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जाती रहेगी।

प्राइवेट कचरा गोदाम में भीषण आग, हाईवे पर छाया धुएं का गुबार, केसरपुरा में मची अफरा-तफरी...

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के नयागांव के पास केसरपुरा स्थित एक प्राइवेट कचरा गोदाम में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और महू-नसीराबाद नेशनल हाईवे पर धुएं का घना गुबार छा गया, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ।घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। नयागांव से दमकल वाहन भी तत्काल मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

जब ऊंट पर सवार हुए भाजपा नेता पवन पाटीदार, रायसिंगपुरा में दिखा राजस्थानी परंपरा का अनूठा रंग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गांव रायसिंगपुरा के पटेल बहादुर सिंह सुरावत की सुपुत्रियों के विवाह समारोह में उस समय राजस्थानी संस्कृति के अनूठे रंग बिखर गए, जब भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार वहां आशीर्वाद देने पहुंचे। सुरावत परिवार द्वारा किए गए ऐतिहासिक और भव्य स्वागत ने पूरे क्षेत्र में चर्चा बटोर ली है।

शाही अंदाज में हुआ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत,बहादुर सिंह सुरावत ने राजस्थानी परंपराओं का निर्वहन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का जोरदार स्वागत किया। स्वागत की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पाटीदार को पारंपरिक ऊंट पर बिठाकर विवाह स्थल परिसर में घुमाया गया। ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने साफा बांधकर उनका अभिनंदन किया।

करीना और आरती को दिया उज्वल भविष्य का आशीर्वाद,विवाह समारोह के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने बहादुर सिंह सुरावत की दोनों सुपुत्रियों, करीना और आरती को वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान पाटीदार ने सुरावत परिवार के साथ आत्मीय चर्चा की और ग्रामीण परिवेश में इस प्रकार के जीवंत स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

-हमारी संस्कृति और परंपराएं ही हमारी असली पहचान हैं। बहादुर सिंह जी के परिवार द्वारा मिला यह प्रेम और राजस्थानी परंपरा के अनुसार किया गया यह सत्कार अभिभूत करने वाला है।

पवन पाटीदार, प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा

विकास अनुमति की शर्तों में रेन वॉटर एवं रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य रूप से जोड़े- कलेक्टर अदिति गर्ग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागृह में कॉलोनी सेल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी एसडीएम, सीएमओ एवं संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने निर्देश दिए कि विकास अनुमति की शर्तों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, इसलिए प्रत्येक कॉलोनी में प्रभावी रूप से वर्षा जल संचयन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि विक्रय अनुमति जारी करने से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की सघन जांच की जाए। कॉलोनाइजर द्वारा पानी के संरक्षण हेतु बड़े टैंक एवं अंडरग्राउंड स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे जल की उपलब्धता बनी रहे और जल का अपव्यय न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक कॉलोनी के आवेदन प्राप्त होने के बाद तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की जाए तथा कॉलोनी को जियो-टैग किया जाए। कॉलोनी से संबंधित सभी कार्यों का निरीक्षण संबंधित सीएमओ द्वारा किया जाए और सभी कार्य पूर्ण होने के उपरांत ही विक्रय अनुमति जारी की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि कॉलोनी सेल के अधिकारी नियमित निरीक्षण करें तथा कॉलोनी से संबंधित प्रतिवेदन एवं रिकॉर्ड समय पर प्रस्तुत करें। रिपोर्ट एक ही बार में पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से भेजी जाए ताकि अनावश्यक विलंब से बचा जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल चौहान, सीएमओ, एसडीएम एवं कॉलोनाइजर उपस्थित रहे।

नीमच नगर पालिका में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भारी हंगामा- कांग्रेस-भाजपा पार्षदों में तीखी नोकझोंक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच नगर पालिका परिषद की बैठक अखाड़े में तब्दील हो गई। बंगला नंबर 60 स्थित सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जमकर बवाल हुआ। सदन में तख्तियां लहराई गईं, नारेबाजी हुई और कांग्रेस पार्षद व नपा अध्यक्ष के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। कांग्रेस ने जहाँ खुद को महिला आरक्षण का असली पैरोकार बताया, वहीं नपा अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा ने विपक्ष पर 'झूठ की राजनीति' करने का आरोप लगाया। भारी हंगामे के बीच आखिरकार परिषद ने बहुमत से प्रस्ताव पारित कर दिया।

नीमच नगर पालिका के बंगला नंबर 60 स्थित सभाकक्ष में बीते रोज बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही माहौल गरमा गया। विपक्षी पार्षदों ने मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके जवाब में भाजपा पार्षदों ने भी 'हर-हर मोदी' के नारे लगाए और सदन पूरी तरह से हंगामे की भेंट चढ़ गया।

कांग्रेस ने अध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर उठाये सवाल - बहस के दौरान माहौल तब और तीखा हो गया जब कांग्रेस पार्षद कविता लोकस ने नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि परिषद में विपक्ष का कोई सम्मान नहीं किया जा रहा है। इस पर नपा अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा ने भी कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कांग्रेस पर 'झूठ की राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष महिलाओं के सम्मान से जुड़े इतने महत्वपूर्ण विषय का भी विरोध कर रहा है।

सदन में दोनों पक्षों का भारी हंगामा - सदन में काफी देर तक हंगामा और दोनों पक्षों के बीच खींचतान जारी रही। लेकिन इस भारी शोरगुल के बीच भी पीठासीन अधिकारी ने प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर पालिका के अधिकारी भी मुस्तैद रहे। अंततः नगर पालिका परिषद ने बहुमत के आधार पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित प्रस्ताव और विपक्ष के रवैये के खिलाफ निंदा प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

नपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर किया पलटवार - बैठक के बाद प्रेसवार्ता में नपा अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा ने कांग्रेस के दावों की हवा निकालते हुए कहा कि 2023 में पास हुआ महिला आरक्षण बिल संवैधानिक प्रक्रिया के तहत परिसीमन के बाद ही लागू होगा। उन्होंने याद दिलाया कि 2001 में परिसीमन पर 2026 तक के लिए रोक लगाई गई थी। 2026 में नई जनगणना के आधार पर ही इसे लागू करना संवैधानिक रूप से सही है। उन्होंने यह भी कहा कि पानी की समस्या को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन सिर्फ इस मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने की एक कोशिश थी, जबकि शहर की जल आपूर्ति सुचारू रखने के लिए पूरी टीम मुस्तैदी से काम कर रही है।

मादक पदार्थ तस्कर पर सफेमा की कार्रवाई, एक करोड़ की संपत्ति फ्रिजिंग के आदेश जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर की अवैध अर्जित संपत्ति पर सफेमा एक्ट की कार्रवाई की है। आरोपी उमरावसिंह पिता गोबरसिंह चौहान जाति सौंधिया राज. निवासी तलाव पिपलिया थाना नारायणगढ़ है, जिसकी अर्जित संपत्ति के विरुद्ध सफेमा में प्रकरण तैयार कर मुम्बई स्थित सफेमा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। इस पर समा अदालत ने आरोपी व उसके परिवार व रिश्तेदारों की एक करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रिजिंग करने के आदेश जारी किए गए हैं।

गौरतलब है कि आरोपी उमरावसिंह निवासी तलावपिपलिया पर वर्ज 2025 में 8 / 15, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत व बीएनएस की धारा 111 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। इसके चलते थाना प्रभारी विक्रमसिंह इक्ने एवं तत्कालीन एसडीओपी नरेन्द्र सोलंकी ने उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर आरोपी उमरावसिंहकी वंशावली निर्मित की गई। उक्त वंशावली के आधार पर आरोपी के परिवार एवं रिश्तेदारों की संपत्ति की जानकारी एकत्रित कर प्रकरण तैयार कर सक्षम प्राधिकारी सफेमा- एनडीपीएस न्यायालय मुम्बई प्रस्तुत किया गया था। यहां युक्तियुक्त सुनवाई के अवसर उपरांत अंतिम आदेश जारी किया गया। जिसमें आरोपी उमरावसिंह व परिवार तथा रिश्तेदार की अर्जित भूमि, बैंक खातों में जमा राशि एवं वाहन सहित कुल एक करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रिजिंग का आदेश जारी हुआ । इस कार्य में पिपलिया थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रमसिंह इवने, उनि (एम) चंद्रशेखर बैरागी, रीडर पु. अ. मंदसौर, प्रआ विनोदसिंह, आरक्षक गोविन्द पाटीदार एसडीओपी कार्यालय मल्हारगढ़, आरक्षक पवन पाटीदार, घनश्याम नागदा एवं जुगल किशोर का सराहनीय भूमिका रही।

सम्पादकीय

शांति वार्ता विफल, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़े विस्फोट की आशंका

पश्चिम एशिया की तपती रेत पर एक बार फिर बारूद की गंध तेज हो गई है, और इस बार केंद्र में है अमेरिका,ईरान,इजरायल का जटिल त्रिकोण, जिसमें पाकिस्तान एक ऐसे संदेशवाहक की भूमिका में फँसता दिख रहा है जो न पूरी तरह किसी का हो पाया और न ही अपने घर की हालत संभाल पाया। हार्मुज़ जलडमरूमध्य, जिसे दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र माना जाता है, इस संभावित टकराव का सबसे खतरनाक मोर्चा बन चुका है। यहां से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर ज़रा-सी चिंगारी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में विस्फोट कर सकती है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी क्षेत्रीय गतिविधियों को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि इजरायल इसे अपने अस्तित्व के लिए सीधा खतरा मानता है और समय-समय पर ईरानी ठिकानों पर हमले करता रहा है। हाल के महीनों में घटनाओं की श्रृंखला ने तनाव को और अधिक तीखा कर दिया है। लाल सागर में जहाजों पर हमले, सीरिया और इराक में मिलिशिया गतिविधियाँ, और गाज़ा संघर्ष के बाद बढ़ा हुआ क्षेत्रीय असंतुलन,इन सबने हालात को विस्फोटक बना दिया है। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान ने खुद को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उसके लिए भारी पड़ता दिख रहा है। आर्थिक रूप से पहले से जूझ रहे देश ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की मेहमाननवाज़ी के लिए महंगे होटलों और सुरक्षा इंतजामों पर भारी खर्च किया, जिसका बोझ आखिरकार उसकी आम जनता पर टैक्स और महंगाई के रूप में पड़ा, और यही कारण है कि देश के भीतर असंतोष की लहर तेज हो गई है। पाकिस्तान की यह स्थिति घर का न घाट जैसी हो गई है। एक ओर वह अमेरिका को खुश रखने की कोशिश करता है, दूसरी ओर ईरान जैसे पड़ोसी को नाराज़ भी नहीं करना चाहता, और इसी संतुलन की कोशिश में उसकी आंतरिक आर्थिक स्थिति और अधिक कमजोर और जर्जर हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हालिया बयानों में स्पष्ट संकेत दिया है कि अमेरिका क्षेत्र में अपने हितों और सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है, और यदि ईरान ने उकसावे वाली गतिविधियाँ बंद नहीं कीं तो कठोर जवाब दिया जाएगा। यह बयान सीधे तौर पर सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज नहीं करता बल्कि उसे एक रणनीतिक विकल्प के रूप में खुला रखता है। दूसरी ओर ईरान का रुख भी उतना ही सख्त है तेहरान का कहना है कि वह अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय प्रभाव की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यदि उसके हितों पर हमला हुआ तो जवाब निर्णायक और व्यापक होगा। ईरानी नेतृत्व बार-बार यह दोहरा रहा है कि हार्मुज़ जलडमरूमध्य उसकी रणनीतिक पकड़ में है और जरूरत पड़ने पर वह वैश्विक तेल आपूर्ति को बाधित कर सकता है, जो दुनिया के लिए एक भयावह संकेत है। इस पूरे समीकरण में इजरायल की भूमिका भी बेहद आक्रामक बनी हुई है वह ईरान के परमाणु ठिकानों और उसके सहयोगी नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार सैन्य विकल्पों पर विचार करता रहा है, और कई बार गुप्त अभियानों के जरिए ईरान को नुकसान पहुंचा चुका है। इन तीनों शक्तियों के बीच बढ़ती अविश्वास की खाई किसी भी छोटे घटनाक्रम को बड़े युद्ध में बदल सकती है, और हार्मुज़ जलडमरूमध्य इसका सबसे संवेदनशील बिंदु है, जहां एक मिसाइल, एक ड्रोन या एक गलतफहमी भी वैश्विक संकट का कारण बन सकती है। पाकिस्तान की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे दयनीय दिखाई देती है। एक ओर वह खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इस तरह की मध्यस्थता करता है, लेकिन दूसरी ओर उसकी आर्थिक हकीकत उसे इस भूमिका के लिए तैयार नहीं होने देती विदेशी कर्ज, महंगाई, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता से जूझते देश के लिए यह कूटनीतिक साहस कहीं न कहीं आत्मघाती साबित हो रहा है। आम पाकिस्तानी नागरिक के लिए यह स्थिति और भी पीड़ादायक है, क्योंकि वह न तो इन वैश्विक रणनीतियों का हिस्सा है और न ही उसके पास इनका कोई लाभ है, लेकिन कीमत वही चुका रहा है,महंगे ईंधन, बढ़ते टैक्स और घटती जीवन-स्तर के रूप में। यदि अमेरिका और ईरान के बीच टकराव वास्तव में युद्ध में बदलता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; भारत सहित पूरी दुनिया पर इसके आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव पड़ेंगे, खासकर ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार मार्गों पर। इसलिए यह समय केवल शक्ति प्रदर्शन का नहीं, बल्कि संयम और संवाद का है, लेकिन मौजूदा हालात में जिस तरह से बयानबाज़ी और सैन्य गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, उससे शांति की संभावना कमजोर और टकराव की आशंका अधिक मजबूत दिखाई देती है। पाकिस्तान के लिए यह एक कड़ा और बड़ा सबक हो सकता है कि वैश्विक राजनीति में बिना मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक आधार के बड़ी भूमिकाएँ निभाने की कोशिश अंततः देश के भीतर ही असंतोष और संकट को जन्म देती है। यही कारण है कि आज वह एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से आगे का हर कदम जोखिम भरा है, जबकि दुनिया की निगाहें हार्मुज़ जलडमरूमध्य पर टिकी हैं, जो आने वाले समय में शांति का मार्ग बनेगा या युद्ध का द्वार, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। इन परिस्थितियों में यदि शांति स्थापित नहीं होती है तो यह वैश्विक शांति के लिए ऐतिहासिक रूप से बड़ा खतरा बन सकता है।

आधुनिक काल में सत्य की खोज का एक सुंदर आयाम है सहजयोग

बदलाव उन्नति को दर्शाता है, जिस प्रकार समय के साथ- साथ मानव जीवन-शैली में बदलाव आया है उसी प्रकार समय के साथ- साथ प्रकृति को भी बदलाव करने पड़ते हैं। धरती पर अवतरित हुए सभी अवतरणों ने इस बदलाव की आवश्यकता को अपने-अपने तरीकों से एवं समय जिस प्रकार के तरीकों की मांग करता है उन तरीकों से मनुष्य को सही पथ पे चलने के लिए प्रेरित किया है।सभी के तरीके भले ही भिन्न थे परंतु संदेश एक ही था। इसी विषय पर पर प्रकाश डालते हुए सहजयोग की संस्थापिका श्री माता जी निर्मला देवी जी कहते हैं कि आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है सहजयोग। श्री माता जी साधकों को संबोधित करते हुए समझाते हैं कि प्राचीन काल से चले आ रहे हठयोग, राजयोग आदि उस प्राचीन समय की आवश्यकता थे पर क्योंकि अब मानव विकसित होने की चरम सीमा पर है तो उसे इस बदलाव से मित्रता कर आधुनिक समय की मांग को समझ कर खुद पर कार्य करना होगा, स्वयं को समझना होगा। जो शुद्धता मानव प्राचीन काल में अपने घरों से एवं संबंधियों से दूर रह कर कड़ी तपस्या करने से प्राप्त करता था ताकि वह परमात्मा के प्रेम शक्ति की अनुभूति कर सके, आज के समय में वह शुद्धता, चैतन्य की सतर्कता एवं परमात्मा की प्रेम शक्ति को कुंडलिनी जागरण की सहायता से क्षण भर में अपने सूक्ष्म तंत्र पर महसूस कर सकता है। कुंडलिनी जागरण श्री माता जी के द्वारा दी गई मानवता को एक ऐसी भेंट है जिसने मानव की सत्य-खोज को एक सुंदर आयाम प्रदान किया है। आज के समय विश्व भर में फैला हुआ सहजयोग करोड़ों में सत्य के साधकों द्वारा अपनाया गया है एवं उन सभी ने इस सुंदर अनुभव को अपने अंदर एक सुंदर बदलाव के रूप में देखा है। सहजयोग का प्रथम चरण ही कुंडलिनी जागरण है, जिसकी सहायता से मनुष्य का संबंध परमात्मा की सर्वव्यापी प्रेम शक्ति से हो जाता है और वह सुंदर प्रेम से प्लावित हो जाता है। सभी पौराणिक ग्रंथों में कुंडलिनी जागरण एवं सहजयोग की परिभाषा का वर्णन किया गया है। यदि मनुष्य ही निर्वाज्य प्रेम से भर जाएगा तो विश्व में हो रही धन और सत्ता की अंधी लड़ाई को खत्म कर केवल आपसी प्रेम की भावना रखेगा और इसी प्रकार पूरा विश्व हर भेदभाव को भुलाकर एक हो जाएगा। यही सपना श्री माता जी ने अपनी आँखों में लिए विश्व भर में यात्राएं की और साधकों की कुंडलिनी जागृत की तथा उसी प्रेम के धागे से सभी सहजयोगियों को बांध एक सुंदर विश्व स्थापित करने का संदेश मनुष्य को दिया।

अनियंत्रित गेमिंग के दौर के बाद नियंत्रण का कड़ा अध्याय

रात की खामोशी अब विश्राम नहीं, बल्कि स्क्रीन की चमक में डूबकर एक नई सोच को जन्म दे रही है, जो अनजाने में पूरी पीढ़ी का मन गढ़ रही है। उंगलियों की निरंतर हलचल ने सोच की गहराई को कमज़ोर कर दिया है, और आभासी उपलब्धियों का आकर्षण वास्तविक जीवन की प्राथमिकताओं को पीछे धकेल रहा है। ऐसे नाज़ुक मोड़ पर 1 मई 2026 से लागू होने जा रहा ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ओजीएआई) केवल प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि डिजिटल अनुशासन को फिर से स्थापित करने का प्रभावी प्रयास है। यह पहल उस अनियंत्रित डिजिटल बहाव को थामने की शुरुआत है, जिसने युवाओं को लत, असंतुलन और मानसिक दबाव के जाल में फँसा दिया है।

डिजिटल जगत को संतुलित दिशा देने के उद्देश्य से प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 (प्रोगा) के तहत गठित ओजीएआई भारत के शासन में एक अहम बदलाव का संकेत है। यह स्वायत्त संस्था ऑनलाइन गेमिंग को तीन प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत करेगी और रियल मनी गेम्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएगी। सुरक्षित सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए रजिस्ट्रेशन को अधिकांश मामलों में स्वैच्छिक रखा गया है। ओजीएआई को सिविल कोर्ट के समान शक्तियाँ प्रदान की गई हैं, जिसमें गेम्स की राष्ट्रीय रजिस्ट्री तैयार करना, अनुपालन की निगरानी और अवैध गेम्स को ब्लैकलिस्ट करना शामिल है। वहीं, सुरक्षित और शैक्षिक खेलों को राष्ट्रीय रजिस्ट्री में शामिल कर उन्हें बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि गेमिंग केवल लत नहीं, बल्कि सीख और विकास का साधन बन सके।

स्क्रीन की चकाचौंध अब युवाओं को इस तरह बाँध रही है कि वास्तविक जीवन का संतुलन बिगड़ने लगा है। आज की युवा पीढ़ी जिस तरह ऑनलाइन गेमिंग के प्रभाव में फँसती जा रही है, वह महज़ सामाजिक चुनौती नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में चेतावनी दी गई है कि 15 से 29 वर्ष के युवाओं में अत्यधिक स्क्रीन टाइम और ऑनलाइन गेमिंग से चिंता, अवसाद, अनिद्रा और ध्यान की कमी तेजी से बढ़ रही है। रियल मनी गेम्स से होने वाला आर्थिक नुकसान परिवारों की स्थिरता को भी डगमगा रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण यह भी सुझाव देता है कि डिजिटल एडिक्शन से निपटने के लिए टेली-मानस जैसे मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और मजबूत किया जाए। ओजीएआई का हस्तक्षेप इस बिगड़ती परिस्थिति को संभालने की दिशा में एक ठोस और समयानुकूल पहल है।

नियमन की कसौटी पर खरा उतरने वाला ढांचा तभी सार्थक होता है, जब उसमें अधिकार के साथ जवाबदेही भी स्पष्ट हो–और ओजीएआई इसी संतुलन का सशक्त उदाहरण बनकर उभरता है। इसे सिविल कोर्ट के समान अधिकार प्रदान किए गए हैं, जिससे यह गेम्स के वर्गीकरण, पंजीकरण और अनुपालन की निगरानी प्रभावी ढंग से कर सके। केंद्रीय शिकायत निवारण तंत्र उपयोगकर्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध कराएगा, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से संभव होगा। साथ ही, पेमेंट गेटवे, ऐप स्टोर्स और अन्य डिजिटल मध्यस्थों को भी जवाबदेह बनाकर एक व्यापक और सुरक्षित गेमिंग पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जाएगा, जो उपयोगकर्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित करेगा।

डिजिटल अनुशासन और जिम्मेदार व्यवहार की स्पष्ट दिशा तय करते हुए ओजीएआई का आगमन परिपक्व और दूरदर्शी सोच का संकेत देता है। अब गेमिंग केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि जिम्मेदारी, संतुलन और सजगता का विषय बनेगा। एडिक्टिव डिजाइन, लूट बॉक्सेस और भ्रामक विज्ञापनों पर कड़े नियंत्रण से उपयोगकर्ताओं को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय वातावरण मिलेगा। ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और सशक्त करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे, क्योंकि सरकार इसे प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता देकर प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम चला रही है। साथ ही, शैक्षिक गेम्स शिक्षा को रोचक, प्रभावी और सहभागितापूर्ण बनाकर डिजिटल दुनिया के सकारात्मक पक्ष को और अधिक स्पष्ट रूप से सामने लाएंगे।

परिवर्तन की इस व्यापक रूपरेखा के साथ चुनौतियों की परतें भी समान रूप से मौजूद हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विदेशी सर्वरों से संचालित अवैध प्लेटफॉर्म्स पर नियंत्रण स्थापित करना तकनीकी दृष्टि से जटिल कार्य है, जिसमें ओजीएआई आईटी एक्ट के तहत ब्लॉकिंग की सिफारिश कर सकता है। इसके साथ ही, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखना भी एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। छोटे डेवलपर्स के लिए अनुपालन सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है, जिससे नवाचार प्रभावित होने की आशंका है। इसलिए ओजीएआई को लचीली और डेटा-आधारित नीतियां अपनानी होंगी, ताकि नियमन और रचनात्मकता के बीच संतुलन बना रह सके।

इस परिवर्तन की वास्तविक सफलता केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज की सक्रिय और जागरूक भागीदारी पर भी समान रूप से निर्भर करेगी। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम पर सतर्क और संतुलित नियंत्रण रखना होगा, स्कूलों को जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सही दिशा और समझ विकसित करनी होगी, तथा मीडिया को भी इस विषय को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना होगा। जब समाज इस पहल को सकारात्मक रूप से अपनाएगा, तभी इसका व्यापक और प्रभावी परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। ओजीएआई वास्तव में एक सामूहिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है, जिसकी सफलता हर नागरिक की सहभागिता से ही सुनिश्चित हो सकती है।

जब भविष्य की दिशा तय होती है, तो कुछ तिथियाँ इतिहास में मील का पत्थर बन जाती हैं–1 मई 2026 भी ऐसा ही एक निर्णायक क्षण साबित होगा। ओजीएआई का प्रभावी क्रियान्वयन न केवल युवाओं को लत के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखेगा, बल्कि एक संतुलित, सुरक्षित और जिम्मेदार गेमिंग संस्कृति को भी सुदृढ़ करेगा। यदि यह पहल दूरदर्शिता और सतत प्रयासों के साथ आगे बढ़ती है, तो भारत वैश्विक परिदृश्य पर एक अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। यह केवल एक नीति नहीं, बल्कि एक सशक्त संकल्प है–जो डिजिटल भारत को अधिक जिम्मेदार, सुरक्षित और जागरूक राष्ट्र में रूपांतरित करने की क्षमता रखता है।

-प्रो. आरके जैन

होर्मुज आपदा में भारत के लिए अवसर

अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम का विस्तार इस ओर संकेत करता हैं कि होर्मुज जलमार्ग का खुलना संभव है। वैसे यदि ऐसा हो जाता है तो भी पूर्ववर्ती व्यवस्था की वापसी संभव नहीं लगती। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले खाड़ी क्षेत्र की सामुद्रिक परिवहन व्यवस्था एक नाजुक धारणा पर टिकी थी।

करीब 130 जहाज रोजाना इस 33 किमी चौड़े संकरे जल मार्ग से बिना किसी बाधा के गुजरते थे, पर अब यह धारणा ध्वस्त हो चुकी है। आर्थिक दृष्टि से इसका अर्थ है कि होर्मुज के पुनः खुलने के बाद भी बीमा लागत ऊंची रह सकती है। शिपिंग कंपनियां इस मार्ग पर निर्भरता घटाने के लिए अपने मार्गों का पुनर्निर्धारण करने में लगी हैं।

खाड़ी सहयोग परिषद यानी जीसीसी देश भी समानांतर रूप से खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा के अपने ढांचे की समीक्षा कर रहे हैं। यह केवल भू-राजनीतिक व्यवधान नहीं है। यह वैश्विक व्यापार संरचना का पुनर्संयोजन भी है। इसमें उन मार्गों, वित्तीय तंत्रों और संस्थागत व्यवस्थाओं का पुनर्गठन हो रहा है, जो तय करते हैं कि सीमा पार वस्तुओं का व्यापार कैसे संचालित होता है।

इस उभरते परिदृश्य में भारत विशिष्ट रूप से सशक्त स्थिति में है। दशकों से भारत को मुख्यतः एक ऊर्जा-निर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में देखा गया है, जो एक बड़ी हद तक खाड़ी क्षेत्र के तेल एवं गैस पर निर्भर है। होर्मुज संकट ने इस सच को भी उजागर किया है कि भारत केवल खरीदार नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता भी है, विशेष रूप से खाद्य और आवश्यक वस्तुओं के मोर्चे पर। यह शक्ति संतुलन को सूक्ष्म, पर महत्वपूर्ण रूप से बदलने वाला पहलू है। भारत की शक्ति इस बिंदु में निहित है कि वह एक साथ कई संबंधों को संभालने में सक्षम है। उसके ईरान के साथ रणनीतिक संबंध हैं तो संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भी वह अपने संबंधों को प्रगाढ़ कर रहा है। सऊदी अरब, कुवैत और कतर के साथ उसके ऊर्जा संबंध इस क्षेत्र में उसकी केंद्रीय भूमिका को और सुदृढ़ करते हैं। केवल यूएई में ही 43 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी समुदाय आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक संबंधों की कड़ियों को कुछ ऐसे जोड़ता है, जिसका कोई तोड़ नहीं। भारत और यूएई के बीच स्थानीय मुद्राओं के माध्यम से व्यापार अब अमेरिकी डालर के बजाय रुपये और दिरहम में संभव है। इससे मुद्रा उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक वित्तीय जोखिमों का प्रभाव कम होता है। ऐसी सुविधा मौजूद संकट के समय और महत्वपूर्ण हो जाती है। होर्मुज संकट ने खाड़ी क्षेत्र की खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं की कमजोरियों को स्पष्ट कर दिया है। दशकों तक लचीलापन उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था, जबकि आज प्राथमिकता निर्णायक रूप से बदल गई है। खाड़ी की अर्थव्यवस्थाएं अब केवल सस्ते आपूर्तिकर्ता की तलाश में नहीं हैं, बल्कि सबसे भरोसेमंद साझेदार को प्राथमिकता दे रही हैं। यही वह बिंदु है, जहां भारत की भूमिका निर्णायक बन जाती है।

-धनंजय राजौरा

एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने किया डिजिट्रैक सीरीज़ का विस्तार, लॉन्च किए तीन नए ट्रैक्टर मॉडल

डिजीट्रैक रेंज में दो मॉडलों की जगह अब एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध हुई, जिसमें 4 व्हील ड्राईव मॉडल और 45 से 55 हॉर्सपॉवर श्रेणी के मॉडल शामिल हैं।

फरवरी 2025 के बाद सभी तीन ब्रांडों में एस्कॉर्ट्स कुबोटा की ओर से यह चौथा सबसे बड़ा ट्रैक्टर लॉन्च है।

डिजीट्रैक उद्योग में सबसे बेहतर स्पीड के साथ डिजीट्रैक पीपी 43आई प्लस पेश करता है, जो 39.9 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है।

एग्री मशीनरी और कंस्ट्रक्शन उपकरण कंपनी, एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने अपने पॉवरट्रैक ब्रांड के अंतर्गत डिजीट्रैक सीरीज़ लॉन्च की है। इसके साथ ही कंपनी की डिजीट्रैक रेंज, जिसमें पहले दो मॉडल हुआ करते थे, वो अब बढ़कर पाँच मॉडलों की एक विस्तृत सीरीज़ में तब्दील हो गए हैं, जिनमें 45 हॉर्सपॉवर से 55 हॉर्सपॉवर के ट्रैक्टर शामिल हैं। पूरे भारत में लॉन्च की गई यह सीरीज़ आधुनिक कृषि और भारी ढुलाई के कामों के लिए बनाई गई है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा द्वारा भारत में तीन ट्रैक्टर ब्रांड, कुबोटा, फार्मट्रैक और पॉवरट्रैक पेश किए जाते हैं, जो क्रमशः प्रीमियम, एंट्री-प्रीमियम और वैल्यू सेगमेंट को सेवाएं देते हैं। डिजीट्रैक सीरीज़ पॉवरट्रैक ब्रांड के अंतर्गत आती है। यह फरवरी 2025 के बाद कंपनी का चौथा सबसे बड़ा ट्रैक्टर लॉन्च है, जिससे पहले फार्मट्रैक प्रोमैक्स सीरीज़, कुबोटा एमयू4201 और पॉवरट्रैक शौर्य धान सीरीज़ पेश की जा चुकी है।

डिजीट्रैक के दो मौजूदा मॉडल पीपी 46आई और पीपी43आई हैं, जो भारत में पॉवरट्रैक ट्रैक्टरों की बिक्री में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इनका डिज़ाइन और प्रीमियम लुक युवा और महत्वाकांक्षी किसानों के बीच काफी लोकप्रिय रहा है। डिजीट्रैक सीरीज़ में पेश किए गए नए ट्रैक्टर डिजीट्रैक पीपी 46आई 4डब्लूडी, डिजीट्रैक पीपी 43आई प्लस और डिजीट्रैक पीपी 41आई हैं। इस पाँचों मॉडलों में ज्यादा बड़ा सीसी इंजन, ज्यादा बड़े टायर, साईड शिफ्ट गियर, 12 फॉरवर्ड और 3 रिवर्स कॉन्सटैंट मेश गियरबॉक्स, स्वतंत्र पीटीओ (आईपीटीओ) और 2000 किलोग्राम की भारी हाईड्रॉलिक लिफ्ट क्षमता दी गई है। यह सीरीज़ खेती के हर काम के लिए बुआई, कटाई, रिवर्सिबल एमबी (मोल्ड बोर्ड) हल, और लेज़र लेवलिंग जैसे आधुनिक उपकरणों को सपोर्ट करती है।

निखिल नंदा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, ''यह फरवरी, 2025 के बाद हमारे तीनों ब्रांड्स में हमारा चौथा नया ट्रैक्टर लॉन्च है। निरंतरता से नए ट्रैक्टर लॉन्च करने से संगठन के रूप में हमारी मजबूती प्रदर्शित होती है। हमारा हर लॉन्च हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत बनाता है और हमें भारत में एक मजबूत स्थिति बनाने के अपने लक्ष्य के करीब ले जाता है।''

डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर, अकीरा काटो ने कहा, ''डिजीट्रैक के खास डिज़ाईन और प्रमाणित परफॉर्मेंस ने युवा किसानों के बीच एक मजबूत पहचान स्थापित कर ली है। अब इसका विस्तार पाँच मॉडलों की पूरी सीरीज़ में किया जा रहा है, जो हमारा स्वाभाविक अगला कदम है। भारत में इस ट्रैक्टर के विस्तार की बड़ी संभावनाएं हैं और यह पॉवरट्रैक के बिज़नेस में महत्वपूर्ण योगदान देगा।''

नीरज मेहरा, चीफ ऑफिसर, ट्रैक्टर बिज़नेस डिवीज़न ने कहा, ''डिजिट्रैक अब नए ज़माने के किसानों के लिए एक पूर्ण ट्रैक्टर सीरीज़ बन चुकी है। नई डिजीट्रैक सीरीज़ में ज्यादा शक्तिशाली इंजन, 123 गियरबॉक्स, स्वतंत्र पीटीओ और 39.9 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की टॉप स्पीड के साथ 5 मॉडल हैं, जो 'स्टाईल टू किल, परफॉर्मेंस टू थ्रिल' (जबरदस्त स्टाईल, शानदार परफॉर्मेंस) की पोज़िशनिंग के साथ आते हैं। पहले ये खूबियाँ केवल ज्यादा हॉर्सपॉवर के ट्रैक्टर में मिला करती थीं। लेकिन डिजीट्रैक सीरीज़ ने ये आधुनिक क्षमताएं 45 हॉर्सपॉवर से 55 हॉर्सपॉवर के सेगमेंट में उपलब्ध करा दी हैं। इसके साथ ये ट्रैक्टर ईंधन की बचत करते हैं एवं वही उपयोगिता प्रदान करते हैं, जिनके लिए पॉवरट्रैक मशहूर है। हमें विश्वास है कि यह नई सीरीज़ भारत के किसानों को बहुत पसंद आएगी।''

डिजीट्रैक सीरीज़ भारत में सभी अधिकृत पॉवरट्रैक डीलरशिप्स पर उपलब्ध है।

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का जीवन एक सजीव उदाहरण बनकर सामने आता है। उन्होंने सत्व, रज और तम के बंधनों को पार कर उस निर्गुण अवस्था को साधने का प्रयास किया है, जहाँ व्यक्ति न केवल आत्मबोध को प्राप्त करता है, बल्कि समष्टि के कल्याण का माध्यम भी बन जाता है। उनका यह दृष्टिकोण केवल दार्शनिक विमर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में उतरा हुआ सत्य है। उनकी साधना 'सत्य की पूजा' नहीं करती, बल्कि 'सत्य की शल्य-चिकित्सा' करती है अर्थात् वे सत्य को केवल स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसकी गहराई में उतरकर उसे परिष्कृत करते हैं।

आचार्य महाश्रमण का जीवन 'रहें भीतर, जीएँ बाहर' के सूत्र पर आधारित है। यह सूत्र आधुनिक जीवन की जटिलताओं में संतुलन स्थापित करने का एक अद्वितीय मार्ग प्रस्तुत करता है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में अपने भीतर के शून्य को अनदेखा कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वतः ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है-एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें नशामुक्ति, सदाचार, नैतिकता और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर किया। आज जब विश्व के अनेक देश युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह प्रयास एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है-एक ऐसा मार्ग, जहाँ शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक संभावना बन जाती है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के रूप में देखा जाता है। वे किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों के आधार पर आंकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और सहयोग की नींव भी रखता है। आज जब पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन समाज को खंडित कर रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह समन्वयवादी दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंततः आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी आध्यात्मिक साधना। उत्तराध्ययन सूत्र और भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। उनके प्रवचनों का संकलन 'सुखी बनो' इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जिसमें उन्होंने जीवन को सरल, सार्थक और संतुलित बनाने के सूत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका चिंतन आगम, दर्शन, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक बहुआयामी मनीषी के रूप में उभरता है।

आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ युद्ध की विभीषिका और परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है, वहाँ आचार्य महाश्रमण का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश के रूप में सामने आता है। उनका यह विश्वास कि 'अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दर्शाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में इस वर्ष योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। देशभर में विचरण करने वाले साधु-संतों को एक जगह बुलाकर आचार्य महाश्रमण उन्हें अध्यात्म का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है।

आचार्य महाश्रमण का चिंतन एक नए युग का उद्घोष है-एक ऐसा युग, जहाँ विज्ञान और आध्यात्म, भौतिकता और नैतिकता, व्यक्ति और समाज के बीच संतुलन स्थापित हो सके। वे हमें यह सिखाते हैं कि वास्तविक प्रगति केवल तकनीकी उन्नति से नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों के विकास से संभव है। उनका जीवन और संदेश हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम अहिंसा, सत्य, और करुणा के मार्ग पर चलें, तो एक शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व का निर्माण संभव है। अंततः आचार्य महाश्रमण केवल एक धर्मगुरु नहीं, बल्कि एक युगद्रष्टा हैं, जिनकी दृष्टि वर्तमान की सीमाओं को पार कर भविष्य की संभावनाओं को देखती है।

-ललित गर्ग

खिवनी अभयारण्य बनेगा वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म का आदर्श मॉडल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बाघों की वापसी से 'शांत कॉरिडोर' बना समृद्ध वन्य-जीव आश्रय

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक रूप से बाघों की बढ़ती मौजूदगी के कारण खिवनी वन्य-प्राणी अभयारण्य वन्यजीव संरक्षण की सफलता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का विजन खिवनी को एक सुदृढ़ बाघ आवास के साथ-साथ प्रमुख इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित करना है, जिससे संरक्षण और पर्यटन दोनों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि खिवनी आने वाले समय में वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म का आदर्श केंद्र बनेगा।

मालवा-निमाड़ क्षेत्र के शुष्क पर्णपाती वनों में स्थित लगभग 134.7 वर्ग किलोमीटर में फैला खिवनी अभयारण्य, जो पहले केवल रातापानी जैसे बड़े वनों को जोड़ने वाला 'ट्रांजिट कॉरिडोर' माना जाता था, आज बाघों के सुरक्षित प्रजनन स्थल के रूप में स्थापित हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस परिवर्तन को राज्य की सुनियोजित नीतियों और सतत संरक्षण प्रयासों का परिणाम बताया।

खिवनी में बाघ 'युवराज' और 'मीरा' ने इसे अपना स्थायी ठिकाना बनाकर नई पहचान दी है। वन विभाग द्वारा मीरा के तीन शावकों को जन्म देने की पुष्टि की गई है। ये शावक अब अपनी मां के साथ जंगल में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। वर्तमान में खिवनी में लगभग एक दर्जन बाघों की मौजूदगी दर्ज की जा रही है, जो इस क्षेत्र के पारिस्थितिक पुनर्जीवन का स्पष्ट संकेत है।

खिवनी में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियां, जैसे जंगली कुत्तों (ढोल) की सक्रियता, तेंदुए, लकड़बग्घा, सियार और भालू की उपस्थिति तथा चौसिंगा जैसे दुर्लभ शाकाहारी जीवों की मौजूदगी ने इसे संतुलित शिकार-शिकारी श्रृंखला और सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्स्थापना का उदाहरण बना दिया है।

खिवनी वन्यजीव संरक्षण की नींव 1982 में रखी गई थी। बाद में खिवनी क्षेत्र का विस्तार कर सीहोर जिले के वन क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया गया। अब यह क्षेत्र वन्यजीवों के लिए जीवनरेखा सिद्ध हो रहा है। राज्य सरकार अब ओंकारेश्वर वन्य-प्राणी अभयारण्य के विकास के माध्यम से इस ट्रांजिट कॉरिडोर नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। खिवनी अभयारण्य केवल एक वन क्षेत्र नहीं, बल्कि पुनर्जीवन, संतुलन और नई उम्मीद की प्रेरक कहानी है, जो मध्यप्रदेश को वन्यजीव संरक्षण और इको-पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है।

कृष्णाजी राव पवार महाविद्यालय के छात्रों ने किया प्रोसेसिंग प्लांट का भ्रमण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को जागरूक करने के लिए निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशानुसार छात्रों को शंकरगढ़ स्थित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी एमआरएफ सेंटर का भ्रमण कराया गया।

कचरा प्रबंधन की जमीनी हकीकत से हुए रूबरू- मृत्युंजय जीवन धारा हेल्थ केयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के एमआरएफ सेंटर में इको क्लब व एनएसएस छात्रों को कचरा प्रबंधन की ज़मीनी हकीकत और उसके वास्तविक स्वरूप से अवगत करवाया गया।

रिसाइकल प्रक्रिया समझी- भ्रमण के दौरान संस्था के अध्यक्ष अजीत कवलाचे व निगम स्वच्छ भारत मिशन से अरुण तोमर द्वारा छात्रों को प्रतिदिन शहर के घरों से प्राप्त सूखे कचरे से रिसायकलेबल मटेरियल की छंटाई के साथ समुचित निष्पादन की विस्तृत जानकारी दी गई। इससे छात्रों को कचरा पृथक्कीकरण व पुनर्चक्रण प्रक्रिया और 3आर सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने का मौका मिला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों को पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की शपथ दिलाई गई।

मुख्य मार्गों एवं चौराहों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य मार्गों पर हाथ ठेला, सब्जी विक्रेता, फ्रूट विक्रेता, मनिहारी, जूते-चप्पल विक्रेता, चाट ठेला एवं नाश्ता पॉइंट के व्यवसायियों द्वारा अस्थाई अतिक्रमण कर व्यवसाय किया जा रहा था। इसके कारण मुख्य मार्गों पर आवागमन बाधित होने के साथ दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी। साथ ही इन प्रतिष्ठानों द्वारा खुले में कचरा भी फैलाया जाता था। आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में निगम रिमूवल टीम प्रभारी हेमंत उबनारे द्वारा स्वच्छता निरीक्षक हरेंद्रसिंह ठाकुर, वार्ड दरोगा कैलाश सोलंकी, अबरार पठान के साथ टीम द्वारा अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया। व्यवसायियों को सख्त निर्देश देते हुए फुटकर व्यवसाय के लिए निगम द्वारा निर्धारित स्थान गंगानगर स्थित शारदा माता मंदिर के पीछे निगम की भूमि पर व्यवसाय करने को कहा गया। मुख्य मार्गों एवं चौराहों पर लगी पान की दुकानों द्वारा पान पीक से सड़कों पर रेड स्पॉट बन रहे हैं, जो स्वच्छता गाइडलाइन का उल्लंघन है। स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए अस्थाई गुमटियों को भी हटाया गया। व्यवसायियों को सख्त हिदायत दी गई कि पुन- अस्थाई अतिक्रमण किए जाने पर निगम द्वारा चालानी कार्रवाई के साथ सामग्री भी जप्त की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान से बदली किसान की तकदीर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण और संवर्धन को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अब ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनता जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले में जल संरक्षण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं, जिनका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है। सीहोर जिले के ग्राम ग्वाली निवासी किसान श्री बाबूलाल की कहानी इस अभियान की सफलता को बखूबी दर्शाती है। पहले जहां बाबूलाल वर्षा पर निर्भर खेती करते थे और सिंचाई के सीमित साधनों के कारण फसल उत्पादन भी प्रभावित होता था, वहीं अब वे आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से कदम बढ़ा चुके हैं। गत वर्ष चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मनरेगा (वीवीजीरामजी) योजना के तहत बाबूलाल ने आष्टा जनपद पंचायत में खेत तालाब निर्माण के लिए आवेदन किया था, जो स्वीकृत हो गया। शासन की सहायता से उन्होंने लगभग 4 लाख 50 हजार रुपये की लागत से अपने खेत में तालाब का निर्माण कराया। यह तालाब अब उनके लिए सिर्फ जल संग्रहण का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का आधार बन गया है। इस तालाब के निर्माण से बाबूलाल को वर्षा जल का संरक्षण करने का स्थायी माध्यम मिला, जिससे अब वे अपनी फसलों की समय पर सिंचाई कर पा रहे हैं। परिणामस्वरूप उनकी खेती में उत्पादन बढ़ा है और फसलों की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। खास बात यह है कि बाबूलाल ने इस तालाब का उपयोग मछली पालन के लिए भी शुरू किया है। इससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। अब वे न केवल खेती से बल्कि मत्स्य पालन से भी नियमित आय अर्जित कर रहे हैं।

18वीं सीनियर राज्यस्तरीय डॉजबॉल चैंपियनशिप का भव्य समापन, देवास ने दोनों वर्गों में जीता खिताब

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश डॉजबाल संघ के अध्यक्ष जयसिंह ठाकुर ने बताया की देवास में 21-22 अप्रैल को आयोजित18वीं सीनियर राज्य स्तरीय डॉजबॉल बालक-बालिका चैंपियनशिप उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश डॉजबॉल संघ द्वारा नारायणन क्रीड़ा मंडल के तत्वावधान में स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर विजयनगर में किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया।

बालक वर्ग परिणाम- देवास जिले की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जबलपुर को बड़े अंतर से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर जबलपुर तथा तृतीय स्थान पर खरगोन जिला रहा

बालिका वर्ग परिणाम- बालिका वर्ग में भी देवास ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रतलाम को एकतरफा मुकाबले में हराकर प्रथम स्थान हासिल किया तथा द्वितीय स्थान पर रतलाम तथा तृतीय स्थान पर मंदसौर रहा। प्रतियोगिता की जानकारी संघ के सचिव प्रवीण सांगते ने देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता प्रदेश में डॉजबॉल खेल के बढ़ते स्तर का प्रमाण है।

पुरस्कार वितरण समारोह व समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजेश यादव पूर्व अध्यक्ष देवास विकास प्राधिकरण रहे। विशेष अतिथियों में अजीत सिंह जुनेजा, महेंद्र सिंह सिसोदिया प्राचार्य स.वि. म देवास अनिल भट्ट, तहसीलदार राजेश सरवटे ,खेल गुरु राधेश्याम सोलंकी,विश्वामित्र आवाडी सुदेश सांगते तथा हेमेंद्र निगम काकू, शैलेन्द्र सांगते उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि का प्रेरक संबोधन- मुख्य अतिथि राजेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि डॉजबॉल जैसे खेल युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क और फिटनेस की भावना विकसित करते हैं। देवास में इस स्तर की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। मुझे विश्वास है कि यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने आयोजकों और खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा मिलती है और ऐसे आयोजन लगातार होते रहने चाहिए।

स्वागत एवं संचालन- अतिथियों का स्वागत प्रवीण सांगते, तरुण सोनी,कपिल व्यास, जयकुमार दोहरे,सुमित सांगते ,राशि सांगते, अरुण प्रजापति, बद्रीलाल बसेरा, मोहम्मद राशिद, हर्षवर्धन स्वामी, पुष्कर सिंह राजपूत तथा यशवंत डागोरा ने किया।

कार्यक्रम का संचालन यशवंत डागोरा द्वारा किया गया तथा अंत में आभार प्रदर्शन कपिल व्यास ने किया। यह प्रतियोगिता देवास जिले के लिए दोहरी सफलता और प्रदेश में डॉजबॉल के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक बनी।

परिवहन विभाग द्वारा राहवीर योजना के प्रचार-प्रसार के लिये यात्री बसों पर स्टीकर लगाये गये

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला परिवहन अधिकारी देवास श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा ''राहवीर योजना'' के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए यात्री बसों पर बैनर और स्टीकर लगाये गये। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना और योजना के फायदों के बारे में जानकारी देना है। उन्?होंने बताया कि राहवीर योजनान्तर्गत यदि कोई नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल (गोल्डन ऑवर दुर्घटना के पहले एक घंटे के भीतर) नजदीकी अस्पताल या ट्रॉमा सेन्टर पहुंचाता है और उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो उसे शासन की ओर से 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि और प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाएगा।

जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि विभाग के दल द्वारा जिले से होकर गुजरने वाली यात्री बसों पर आम जनमानस की सूचना के लिए राहवीर योजना-2025 के संबंध में समस्त जानकारी प्रदान करते हुए स्टीकर लगाये। बस स्टैण्ड, भोपाल रोड़, मक्सी रोड़ आदि मार्गो पर राहवीर योजना का प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही उपस्थित नागरिकों को भी योजना के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी दी गई। उन्?होंने बताया कि अक्सर लोग पुलिस की कार्यवाही और कानूनी उलझनों के डर से घायलों की मदद करने से हिचकिचाते हैं। राहवीर योजना इसी डर को खत्म करने और समान में मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देने के लिये हैं। आपकी एक छोटी से पहल किसी की जान बचा सकती है। कोई भी नागरिक यदि सड़क पर किसी दुर्घटना को देखे तो तत्काल पीड़ित की सहायता करते हुए उसे अस्पताल पहुंचाए, साथ ही पुलिस को भी सूचना देवें।

केंद्र सरकार की एडिप योजना से बदला गणेश चौहान का जीवन, ट्राईसाईकिल बनी आत्मनिर्भरता की नई उड़ान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार की एडिप योजना दिव्यांगजनों के जीवन में किस तरह सकारात्मक बदलाव ला रही है, इसका जीवंत उदाहरण देवास के श्री गणेश चौहान हैं। देवास निवासी श्री गणेश चौहान अस्थिबाधित दिव्यांग श्रेणी में आते हैं। शारीरिक बाधाओं के कारण उन्हें दैनिक कार्यों और आजीविका कमाने में काफी संघर्ष करना पड़ता था। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र देवास द्वारा भारत सरकार की एडिप योजना के अंतर्गत उन्हें निःशुल्क ट्राईसाईकिल प्रदान की गई। यह ट्राईसाईकिल श्री गणेश चौहान के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हुई। उन्होंने ट्राईसाईकिल का उपयोग अपने काम के लिए करना शुरू किया। वर्तमान में वे इस ट्राईसाईकिल के माध्यम से प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहे हैं, जिससे वे न केवल अपना बल्कि अपने परिवार का भी सम्मानजनक तरीके से भरण-पोषण कर पा रहे हैं। सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से संचालित यह योजना गणेश जैसे कई दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बना रही है।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए श्री गणेश चौहान कहते हैं कि ट्राईसाईकिल मिलने के बाद मेरा जीवन आसान हो गया है। अब मैं अपने दैनिक कार्य स्वयं कर लेता हूँ और प्रचार के काम के जरिए अपनी आजीविका कमा रहा हूँ। सरकार दिव्यांगों के उत्थान के लिए बहुत अच्छा कार्य कर रही है, इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

पॉक्सो एक्ट, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधित जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला बाल विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कार्यालय वन स्टॉप सखी सेंटर जिला देवास द्वारा प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल में किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। साथ ही बताया कि किसी भी प्रकार के अन्याय या हिंसा की स्थिति में सहायता अवश्य लेनी चाहिए। वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएं जैसे चिकित्सीय सहायता, विधिक सहायता, पुलिस सहायता, परामर्श, अस्थायी आश्रय एवं पुनर्वास की जानकारी भी दी गई। साथ ही पॉक्सो एक्ट (Protection of Children from Se&ual Offences Act, w®vw) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि यह कानून बच्चों (18 वर्ष से कम आयु) को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अंतर्गत बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का यौन शोषण, छेड़छाड़, अश्लील हरकत या ऑनलाइन शोषण दंडनीय अपराध है। बच्चों से संबंधित मामलों में त्वरित कार्यवाही, गोपनीयता बनाए रखना और बच्चों के हितों की रक्षा करना इस कानून की मुख्य विशेषताएं हैं। अभिभावकों एवं बच्चों को ऐसे मामलों में तुरंत शिकायत दर्ज कराने और सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण केंद्र की ऑपरेटर सुश्री पायल नागर द्वारा ÷हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन÷ की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई तथा साइबर क्राइम पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में साइबर फ्रॉड, फेक कॉल, ओटीपी ठगी, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी लिंक एवं ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से ठगी जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे बचने के लिए अपनी व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, सुरक्षित पासवर्ड रखने तथा संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त 181 महिला हेल्पलाइन के माध्यम से त्वरित सहायता प्राप्त करने तथा 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

भू-अर्जन प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतते हुए नियमानुसार कार्यवाही करें - कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में भू-अर्जन के संबंध में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने भू-अर्जन के संबंध में अनुभाग स्तर पर समीक्षा कर सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि शासकीय भूमि और जिन भूमि स्वामियों को भूमि का अवार्ड दे दिया गया है, वहां से अतिक्रमण हटाकर संबंधित विभाग को कब्जा दिलाने की कार्यवाही करें। उन्होंने रेल्वे संबंधी कार्य में भू-अर्जन के जितने भी प्रकरणों में मुआवजा देना बाकी है उन प्रकरणों में शीघ्र मुआवजा का वितरण किया जाये। एसडीएम भू-अर्जन एवं भुगतान में आ रही कठनाईयों का निराकरण शीघ्र करें। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि शासकीय कार्यो में बाधा उत्पन्न करने वालों पर कार्यवाही करें।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने एनएच, डब्ल्यूआरडी, जल निगम, पीडब्ल्यूडी के कार्यो की विभागवार समीक्षा कर भू-अर्जन एवं भुगतान में आ रही कठनाईयों का निराकरण करने के निर्देश संबंधित एसडीएम को दिये। उन्होंने कहा कि भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतते हुए शासन के नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने भू-अर्जन एवं अवार्ड के भुगतान, नेशनल हाईवे, एमपीआरडीसी के कार्य और विभिन्न परियोजना की समीक्षा की और शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में रेलवे एवं राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना से जुड़े भू-अर्जन कार्यों की समीक्षा भी की गई। उन्होंने कहा कि लंबित भू-अर्जन के प्रकरणों के निराकरण के साथ-साथ जिन मामलों का निराकरण किया गया है, उनके रिकॉर्ड तत्काल दुरुस्तीकरण भी शीघ्र कराएं। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि जो कार्य समाप्ति की ओर हैं, उन्हें बरसात शुरू होने से पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, एसडीएम बागली श्री शिवम यादव, एसडीएम टोंकखुर्द श्री संजीव सक्सेना, एनएचएआई, एनवीडीए, डब्ल्यूआरडी, रेल्वे, जल निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा में परीक्षा केंद्रों पर होगी त्रिस्तरीय जांच

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा वर्ष-2026 जिले के 07 परीक्षा केंद्रों पर 26 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं दोपहर 02:15 बजे से शाम 04:15 बजे तक दो सत्रों आयोजित की जाएगी। लोक सेवा आयोग के निर्देशानुसार राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश के दौरान त्रिस्तरीय नवीन जाँच प्रक्रिया (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एचएचएमडी के माध्यम से तलाशी) प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत परीक्षार्थियों को निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों को अनिवार्य रूप से 90 मिनट पहले पहुँचना होगा। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों की त्रिस्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा केन्द्र के प्रवेश द्वार के समीप अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्पा होगी, जिसका पूर्णतः पालन करना होगा। परीक्षार्थियों की HHMD के माध्यम से दोनों सत्रों में जांच की जाएगी, जिसमें पुरूष परीक्षार्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों द्वारा एवं महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षक द्वारा की जाएगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों के पास विकल्प होगा कि वह अपनी फ्रिस्किंग महिला अथवा पुरूष कर्मचारी से करा सकते हैं। परीक्षार्थियों की दोनों सत्रों में त्रिस्तरीय जांच की जाएगी, इसके बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षार्थी स्वयं के साथ केवल बॉल पेन एवं एक पानी की पारदर्शी बॉटल, ई-प्रवेश पत्र व आई.डी. कार्ड साथ में ला सकते है।

परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम स्थापित- कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार परीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 15 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नंबर 07562-226856 है। कंट्रोल रूम में अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशानुसार सीहोर जिले के भोपाल नाका स्थित आवासीय खेलकूद संस्थान (केंद्र क्रमांक 42/1), स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल पुलिस लाईन के सामने सीहोर (केंद्र क्रमांक 42/2), शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज सीहोर (केंद्र क्रमांक 42/3), शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल सीहोर (केंद्र क्रमांक 42/4) आदी।

बदनावर मंडी में गंदगी का जहर घोल रहा विरमणी पार्क का कॉलोनाइजर

मंडी प्रशासन का सात दिन का सख्त अल्टीमेटम कॉलोनाइजर को

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर की कृषि उपज मंडी, जो हजारों किसानों की उम्मीदों का केंद्र है, आज एक कॉलोनाइजर की लालच की भेंट चढ़ रही है। विरमणी पार्क कॉलोनी के कॉलोनाइजर ने मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ में न केवल शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि आम जनता और अन्नदाताओं की सेहत के साथ भी खिलवाड़ किया है। ड्रेनेज के नाम पर कॉलोनी की गंदगी को अवैध रूप से मंडी परिसर में झोंकने के इस गंदे खेल का खुलासा होने के बाद मंडी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कॉलोनाइजर को अंतिम अल्टीमेटम जारी कर दिया है।

कॉलोनाइजर ने भूखंड बेचते समय आम जनता को सुख-सुविधाओं और आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम के ऊंचे-ऊंचे सपने दिखाए थे। लोगों से लाखों रुपये यह कहकर ऐंठे गए कि उन्हें एक आदर्श वातावरण मिलेगा। लेकिन हकीकत अब सबके सामने है–कॉलोनाइजर के पास गंदे पानी के निपटान की कोई वैध या ठोस योजना ही नहीं थी। अपनी इस भारी नाकामी को छिपाने के लिए कॉलोनाइजर ने चोरी-छिपे मंडी की सीमा में घुसकर पाइप डाल दिए। आज विरमणी पार्क की साख पर सवालिया निशान लग गया है और वहां घर खरीदने वाले लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

मंडी में दूर-दराज से अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों को अब उस दूषित और बदबूदार पानी के बीच बैठने को मजबूर होना पड़ रहा है, जो बीमारी और संक्रमण का घर बन चुका है। मंडी प्रशासन के निरीक्षण में यह साफ हुआ है कि कॉलोनाइजर ने बिना किसी विभागीय अनुमति के, अपनी स्वेच्छाचारिता और दबंगई दिखाते हुए मंडी परिसर को अपना निजी नाला समझ लिया।

मंडी सचिव द्वारा जारी नोटिस (क्रमांक/मंडी/नियमन/2026-27/129) में स्पष्ट किया गया है कि कॉलोनाइजर ने मंडी अधिनियम 1972 के प्रावधानों का खुला उल्लंघन किया है। सरकारी जमीन पर इस तरह का अतिक्रमण और अवैध निकासी पूरी तरह गैर-कानूनी है। मंडी प्रशासन ने इसे कॉलोनाइजर की मनमानी करार देते कॉलोनाइजर को साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि 7 दिनों के भीतर इस अवैध ड्रेनेज सिस्टम को पूरी तरह बंद किया जाकर मंडी परिसर को पुरानी स्थिति में बहाल कर कार्यालय को सूचित किया जाए। यदि तय समय में कार्य नहीं हुआ, तो मंडी प्रशासन खुद इसे ध्वस्त करेगा और तोड़-फोड़ का पूरा खर्चा कॉलोनाइजर से वसूला जाएगा।

उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए नोटिस की प्रतियां कलेक्टर धार, संयुक्त संचालक (इंदौर) और थाना प्रभारी बदनावर को भी भेज दी गई हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन का यह हंटर चलने के बाद कॉलोनाइजर अपनी गलती सुधारता है या फिर उसकी यह अवैध मनमानी उसे जेल की सलाखों के पीछे ले जाएगी।

अधिमान्य पत्रकार कल्याण संघ द्वारा मध्यप्रदेश इकाई में जीवनलाल जैन को महासचिव पद पर किया मनोनीत

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अधिमान्य पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति से एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय लिया गया है। संघ के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. मिथिलेश कुमार पाठक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रजनीश चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष पंकज बेरागी की अनुशंसा एवं सहमति से नागदा जंक्शन के वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी जीवनलाल जैन (चाय वाले) को मध्यप्रदेश इकाई में महासचिव पद पर मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति उनके लंबे समय से पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए की गई है। संगठन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश इकाई और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनेगी तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा हेतु प्रभावी कार्य किए जाएंगे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने अपने संदेश में कहा कि– जीवनलाल जैन एक समर्पित, कर्मठ एवं ईमानदार व्यक्तित्व के धनी हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे संगठन के मूल उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा एवं उनके हितों के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति संगठन के लिए एक मजबूत कदम है। संगठन के शिवम तिवारी, कृष्णा यादव, डॉ. प्रेम कुमार वैद्य, रामवेश सिंह राजावत, युवराज सिंह राठौर, मनीष गुप्ता ने संयुक्त रूप से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें आशा है कि आप संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए पत्रकारों के हितों की रक्षा करेंगे तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। आपका नेतृत्व संगठन के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026- 26 अप्रैल को दो सत्रों में होगी परीक्षा, अभ्यर्थी 90 मिनट पूर्व पहुंचें केंद्र

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयोग द्वारा राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026, 26.04.2026 को ओ.एम.आर.पद्धति से प्रातः10:00 से 12:00 एवं दोपहर 02:15 से 04:15 बजे तक दो सत्रों में प्रदेश के 54 जिला एवं संभाग तथा जिला मुख्यालयों के 365 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही है। निर्देशानुसार, उक्त परीक्षा निर्विघ्न, सुव्यवस्थित एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न हो, इस हेतु जिला मुख्यालय पर उक्त परीक्षा हेतु नवीन प्रक्रिया आयोग द्वारा निर्धारित की गई है।

डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्र सिंह धार्वे ने बताया, कि राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों हेतु परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के दौरान त्रिस्तरीय नवीन जांच प्रक्रिया (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एच.एच.एम.डी. के माध्यम से तलाशी) प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत परीक्षार्थियों को निम्न प्रक्रिया का पालन करना है– परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को अनिवार्यतः 90 मिनट पूर्व पहुंचना होगा। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की त्रिस्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार के समीप अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्पा होगी, जिसका पूर्णतः पालन किया जाना होगा। परीक्षार्थियों की एच.एच.एम.डी. के माध्यम से दोनों सत्रों में जांच (फ्रिस्किंग) की जाएगी, जिसमें पुरुष परीक्षार्थियों की जांच पुरुष वीक्षक द्वारा एवं महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षक द्वारा (केबिन में) की जाएगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों के पास विकल्प होगा कि वह अपनी फ्रिस्किंग महिला अथवा पुरुष कर्मचारी से करवाना चाहते हैं। परीक्षार्थियों की दोनों सत्रों में त्रिस्तरीय जांच की जाएगी, तत्पश्चात परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षार्थी स्वयं के साथ केवल बॉलपेन एवं एक पानी की पारदर्शी बॉटल, ई-प्रवेश पत्र व आई.डी.कार्ड साथ में ला सकते हैं।

बारात रवाना होने से पहले पहुंची प्रशासन की टीम-शिवपुरिया में रुकवाया नाबालिग बालक का विवाह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत नीमचके सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार संपूर्ण जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु विशेष निगरानी रखी जाकर सतत कार्यवाही की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास सुश्री अंकिता पंड्या नियुक्त जानकारी देते हुए बताया कि एस.डी.एम. मनासा श्रीमती किरण आंजना के मार्गदर्शन में ग्राम शिवपुरिया, विकासखंड मनासा, जिला नीमच में दल द्वारा स्थल पर पहुंचकर जांच की गई, जिसमें बालक नाबालिग पाया गया एवं इस कारण विवाह को रुकवाया गया। परिवार को समझाइश दी गई, पंचनामा बनाया गया तथा परिवार ने बालक की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने पर ही विवाह करने की बात कही। टीम द्वारा चेतावनी दी गई है कि यदि 21 वर्ष के पूर्व बालक की शादी की गई तो वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

बदनावर से हज यात्रियों की पहली रवानगी

अखलाक मंसूरी अपनी अहलिया के साथ मक्का के लिए रवाना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खुदा के घर की हाजिरी और इबादत के सबसे पवित्र सफर %हज-2026% का आगाज हो चुका है। बदनावर नगर से इस मुबारक सफर पर जाने वाले जायरीन की रवानगी का सिलसिला शुरू हो गया है, जिसमें सबसे पहले पंचायत समन्वयक अधिकारी अखलाक मंसूरी अपनी अहलिया (धर्मपत्नी) के साथ बेतुल्लाह की यात्रा पर रवाना हुए।

अखलाक मंसूरी और उनकी अहलिया मुंबई के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। वे 25 और 26 अप्रैल की दरमियानी रात को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से फ्लाइट द्वारा सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का मुअज्जमा के लिए उड़ान भरेंगे। उनके चेहरे पर खुदा के घर जाने की खुशी और रूहानी सुकून साफ झलक रहा था। मंसूरी दंपति की रवानगी के अवसर पर उनके निवास और स्टेशन पर भारी जनसमूह उमड़ा। साथी कर्मचारियों, मित्रों, रिश्तेदारों और समाज जनों ने उन्हें हार-फूल पहनाकर इस्तकबाल किया और मुबारकबाद दी। विदाई के भावुक क्षणों के बीच सभी ने उनसे वतन की खुशहाली, अमन-चैन और तरक्की के लिए खास तौर पर दुआ करने की दरख्वास्त की।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बदनावर क्षेत्र से हज पर जाने वालों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, अकेले बदनावर नगर से 19 लोग और पूरी बदनावर तहसील से 70 से अधिक जायरीन हज यात्रा पर जा रहे हैं। ये सभी यात्री अलग-अलग तारीखों पर जत्थों में रवाना होंगे, जिसके लिए समाज जनों द्वारा जोर-शोर से तैयारियां की गई हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नवांकुर/मेंटर्स की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड पेटलावद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नवांकुर एवं मेंटर्स की समीक्षा बैठक विकासखंड कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान द्वारा अभियान अंतर्गत नवांकुर एवं मेंटर्स द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए सेक्टर स्तर पर सामूहिक श्रमदान आयोजित करने की योजना तैयार की गई। बैठक के दौरान समितियों के माध्यम से किए गए विभिन्न कार्यों जागरूकता रैली, जल चौपाल, दीवार लेखन, सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक श्रमदान तथा तालाब एवं नदी गहरीकरण से संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए।

'सुपोषित भारत' के संकल्प के साथ 8वां पोषण पखवाड़ा संपन्नः नीमच जिले में चली 15 दिवसीय जागरूकता मुहिम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर जिला नीमच श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में 9 अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित 8वें पोषण पखवाड़े का समापन समारोह के साथ हुआ।

जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया कि 'पोषण भी, पढ़ाई भी' और 'स्वस्थ बालक-बालिका' की थीम पर आधारित इस 15 दिवसीय अभियान का उद्देश्य जन-आंदोलन के माध्यम से कुपोषण को जड़ से मिटाना और पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना था। पखवाड़े के तहत 5 मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित विभिन्न आयोजन किए गए। जिले के सभी 1112 आंगनवाड़ी केंद्रों में गतिविधियां आयोजित की गईं।

जन-भागीदारी के इस पखवाड़े में जिले भर में योग सत्र, पोषण वाटिका (किचन गार्डन) का निर्माण, हेल्थ कैंप और एनीमिया जांच शिविर आयोजित किए गए। स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा के तहत बच्चों के विकास की निगरानी के लिए बच्चों का वजन और लंबाई मापी गई। मोटे अनाज (मिलेट्स) के महत्व और स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इसमें नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी रही।

हिंसा रहित और करुणा प्रधान धर्म ही सर्वश्रेष्ठ -साध्वी पुण्यशीलाजी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिस धर्म में हिंसा का स्थान नहीं है और जहां जीवों के प्रति अपार करुणा है, वास्तव में वही धर्म सर्वश्रेष्ठ है। तीर्थंकर भगवान भी यदि व्रत स्वीकार न करें, तो उन्हें भी मोक्ष प्राप्त नहीं होता। अतः व्रत और संयम ही मोक्ष का एकमात्र मार्ग है।

ये प्रेरक उद्गार जिनशासन गौरव आचार्यश्री उमेशमुनिजी के सुशिष्य प्रवर्तकश्री जिनेंद्रमुनिजी की आज्ञानुवर्तिनी पुण्यपुंज साध्वीश्री पुण्यशीलाजी ने श्री वर्धमान स्थानक भवन, बखतगढ़ में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। बखतगढ़ गौरव साध्वीश्री धैर्यप्रभाजी एवं पुण्यशीलाजी सहित ठाणा 8 के सानिध्य में क्षेत्र में इन दिनों धर्म की गंगा बह रही है।

साध्वीजी ने सामायिक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शुद्ध सामायिक नरक के द्वार बंद कर देती है। सामायिक के समय संसार की किसी भी प्रवृत्ति या विचार का मन में आना बाधक है। द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव से की गई शुद्ध सामायिक ही कर्मों की निर्जरा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि एक साधर्मी को भोजन कराना एक हजार सामान्य लोगों को भोजन कराने के समान पुण्यकारी है। धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वीश्री शीतलप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य जीवन अनंत योनियों के परिभ्रमण के बाद मिला है, जो हीरे से भी कीमती है। देवलोक के देव भी इस भव के लिए तरसते हैं। संयम ही मोक्ष का शॉर्टकट रास्ता है। हम जितना धर्म के नजदीक जाएंगे और तप-त्याग करेंगे, उतना ही मोक्ष के करीब पहुंचेंगे।

साध्वीश्री चतुर्गुणाजी ने वैराग्य पर चर्चा करते हुए कहा कि वैराग्य आना कठिन नहीं है, बल्कि उसे जीवन भर टिकाए रखना कठिन है। भोगों से अरुचि ही सच्चा वैराग्य है। जिनवाणी के बिना जीवन नीरस है। भगवान द्वारा बताई गई विधि का पालन और यतना पूर्वक कार्य करने से ही जीव हिंसा के पाप से बच सकता है और आत्म-कल्याण कर सकता है।

बखतगढ़ में साध्वीश्री धैर्यप्रभाजी, पुण्यशीलाजी, किरणबालाजी, शीतलप्रभाजी, सारिकाजी, चतुर्गुणाजी, करुणाजी एवं कृतज्ञाजी के सानिध्य में श्रावक-श्राविकाएं बड़ी संख्या में तप और त्याग के माध्यम से धर्म लाभ ले रहे हैं। पूरा संघ इस समय भक्तिमय वातावरण में डूबा हुआ है।

डीपीसी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय करडावद बड़ी का आकस्मिक निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश भरसट के निर्देशानुसार जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय करडावद बड़ी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान बालिकाओं की उपस्थिति, हॉस्टल की स्वीकृत एवं भरी हुई सीटों की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही नवीन भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन एंट्री कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई तथा संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में सभी प्रविष्टियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। डीपीसी ने छात्रावास परिसर में साफ-सफाई, स्वच्छता एवं समुचित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि छात्राओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने हेतु नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा सभी आवश्यक सुविधाएं व्यवस्थित रूप से संचालित रहें। निरीक्षण के दौरान संबंधित स्टाफ को शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्य करने एवं व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

बेटे की शादी से 2 दिन पहले मां की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत, खुशियां बदली मातम में

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद थाना क्षेत्र के ग्राम रूपपुरा में एक ऐसा दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसने खुशियों से गूंजते घर को पलभर में मातम में बदल दिया। 34 वर्षीय कांताबाई पति कैलाश चंद भील की बुधवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जिस घर में दो दिन बाद बेटे की बारात निकलने वाली थी, उसी घर से अब मां की अर्थी उठी–यह दृश्य जिसने भी देखा, उसकी आंखें नम हो गईं।

बताया जा रहा है कि कांताबाई अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल से शादी की खरीदारी करने मोरवन गई थीं। घर में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं, रिश्तेदारों का आना-जाना शुरू हो चुका था और हर कोने में खुशियों की हलचल थी। मां अपने बेटे की शादी को लेकर बेहद उत्साहित थीं और हर छोटी-बड़ी तैयारी खुद देख रही थीं।

लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। खरीदारी कर मां-बेटा जब वापस गांव लौट रहे थे, तभी रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कांताबाई गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि उनका बेटा भी चोटिल हुआ।

स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने पूरी कोशिश की, लेकिन शाम करीब 7:15 बजे कांताबाई जिंदगी की जंग हार गईं। यह खबर जैसे ही गांव पहुंची, खुशियों का माहौल चीख-पुकार में बदल गया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद जब कांताबाई का पार्थिव शरीर गांव लाया गया, तो हर आंख नम थी। जिस आंगन में शहनाइयों की गूंज सुनाई देने वाली थी, वहां सन्नाटा पसरा था। जिस मां ने बेटे की बारात के सपने सजाए थे, वह अपने बेटे की दुल्हन देखने से पहले ही दुनिया छोड़ गई।

गांव में हर कोई इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध है। लोग यही कह रहे हैं–÷भगवान ऐसा दिन किसी को न दिखाए।÷ खुशियों से भरा घर एक ही झटके में उजड़ गया और एक बेटे की जिंदगी का सबसे बड़ा दिन अब हमेशा के लिए दर्द की याद बन गया।

कलेक्टर खुद उतरे मैदान मेंः बस में बैठकर अफसरों संग कोज्या चौपाल के आमजन से हुए रूबरू'

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जमीनी स्तर पर प्रशासन की सक्रियता का एक अलग ही नज़ारा उस वक्त देखने को मिला, जब कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने खुद बस में सवार होकर अधिकारियों के साथ ग्राम कोज्या की रात्रि चौपाल में शामिल हो गए। यह पहल न सिर्फ औपचारिकता से हटकर थी, बल्कि प्रशासन की जनसंवाद के प्रति गंभीरता भी साफ दर्शाती है।

कलेक्ट्रेट परिसर से कलेक्टर ने सबसे पहले हरी झंडी दिखाकर अधिकारियों के वाहन को रवाना किया, लेकिन इसके बाद उन्होंने खुद भी आमजन की तरह यात्री बस में बैठकर कोज्या के लिए सफर शुरू किया। इस कदम ने पूरे आयोजन को खास बना दिया और यह संदेश दिया कि प्रशासन अब सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनेगा।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम बी.एस. कलेश, डिप्टी कलेक्टर पराग जैन जावद राजस्व अनुविभागीय अधिकारी रु.ष्ठ.रू श्रीमती प्रीति सँघवी नाहर , तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल, नायब तहसीलदार बाल कृष्ण मकवाना, राजस्व निरीक्षक बाल कृष्ण धाकड़ एवं प्रकाश शुक्ला सहित अन्य स्थानीय एवं जिला अधिकारी भी चौपाल पर मौजूद है। सभी अधिकारी एक साथ रात्रि चौपाल में शामिल हुए, जहां ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना जा रहा।

कलेक्टर का यह कदम प्रशासनिक कार्यशैली में बदलाव और फील्ड कनेक्ट को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

जनगणना 2027: तृतीय बैच का प्रशिक्षण प्रारंभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले में जनगणना 2027 के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुचारू क्रियान्वयन हेतु तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों के तृतीय बैच का प्रशिक्षण 23 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संकलन की विधि, ऑनलाइन प्रविष्टि, प्रपत्रों के सही उपयोग एवं शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही मैदानी कार्य के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी विशेष मार्गदर्शन दिया जा रहा है, ताकि जनगणना कार्य पूर्ण पारदर्शिता, सटीकता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न हो सके।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.स्वा.यां. संधारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन

द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं छटा निविदा आमंत्रण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संघारण खण्ड नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन निविदाओं का आंमत्रण लोक निर्माण विभाग में 'सी' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी एस.ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रतिशत आधार, आईटम रेट आधार एवं लमसम आधार पर किया जाता हैं।

नि.स.क्रं .	प्रपत्र का प्रकार	कार्य का विवरण	कार्य की अनु लागत	प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	पमयावधि	निविदा क्रय की अंतिम तिथि	दर प्रस्तुत करने की अंतिमतिथि
2026_UAD_487241_2	2.10	बुधवारिया टंकी क्षेत्र अंतर्गत 160 एम.एम. बाया एच.डी.पी.ई. पाईप लाईन डालने का कार्य।	132826/-	2660/-	1000/-	01 माह	04.05.2026	04.05.2026
2025_UAD_414658_3	2.10	महालक्ष्मी विहार कॉलोनी में टी कनेक्शन प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	184366/-	3690/-	1000/-	01 माह	28.04.2026	28.04.2026
2025_UAD_414513_4	2.10	शीतल पैलेस कॉलोनी में टी कनेक्शन प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	184266/-	3690/-	1000/-	01 माह	28.04.2026	28.04.2026
2025_UAD_414648_4	2.10	शारदा होम्स कॉलोनी में टी कनेक्शन प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	186593/-	3740/-	1000/-	01 माह	28.04.2026	28.04.2026
2025_UAD_412724_6	2.10	कस्तुरी बॉग कॉलोनी में टी कनेक्शन प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	184166/-	3690/-	1000/-	01 माह	28.04.2026	28.04.2026

निविदा संबंधित अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा सूचना की जानकारी वेब साईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन दर्शाई गई हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. संधा. खण्ड न.पा.नि. उज्जैन

आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान रूश्वत्रञ्ज॥ (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय) की गाइडलाइन के अनुसार फूलमाल तिराहा को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। इस स्थान पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए रम्बल स्ट्रिप एवं संकेतक लगाने की अनुशंसा की गई है। कलेक्टर ने ह्यड्ढ को निर्देशित किया कि उक्त सुधारात्मक कार्य 15 दिवस के भीतर पूर्ण किया जाए।

कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को शॉर्ट टर्म एवं लॉन्ग टर्म प्लान तैयार कर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित किया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर में 50 प्रतिशत की कमी लाई जाए। साथ ही, शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने हेतु डिकंजेशन के कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में बस स्टैंड झाबुआ क्षेत्र में यातायात सुधार के लिए अस्थायी दुकानों एवं अतिक्रमण को हटाने, आवागमन को व्यवस्थित करने तथा नियमों की अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई करने हेतु पुलिस एवं सीएमओ को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त छत्री चौक, गांधी प्रतिमा के पीछे एवं पुराने शिक्षा विभाग के पास अस्थायी पार्किंग विकसित करने के निर्देश दिए गए। छोटे तालाब पर निर्मित वॉकिंग पाथवे को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।

कलेक्टर ने सीएमओ एवं लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि 15 दिवस के भीतर आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर निर्माण की कार्रवाई पूर्ण की जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि 22 अप्रैल 2026 तक जिले में 372 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 58 लोगों की मृत्यु तथा 449 लोग घायल हुए। इसके अलावा जनवरी से अब तक 7,899 चालानी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर ने हेलमेट की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करने एवं रेंडम चेकिंग बढ़ाने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री कैशलेस उपचार योजना के अंतर्गत जिले में 26 अस्पताल इम्पैनल्ड हैं। हाल ही में प्राप्त 15 आवेदनों में से 13 को स्वीकृति प्रदान की गई है। कलेक्टर ने जिला अस्पताल में इस योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए तथा अस्पताल परिसर के आसपास अतिक्रमण पूर्ण रूप से हटाने को कहा।

राहवीर योजना के अंतर्गत प्रकरण भेजने से पूर्व सहायता के प्रभाव को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही जिले के सभी बस स्टैंडों पर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आगामी बैठक में सभी विभाग अपने-अपने शॉर्ट टर्म एवं लॉन्ग टर्म प्लान के साथ पूर्ण तैयारी के साथ उपस्थित हों।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मंडलोई, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 की तैयारियाँ पूर्ण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन 26 अप्रैल 2026 को दो सत्रों में किया जाएगा। परीक्षा का प्रथम सत्र प्रातः 10ः00 बजे से 12ः00 बजे तक एवं द्वितीय सत्र दोपहर 02ः15 बजे से 04ः15 बजे तक आयोजित होगा। परीक्षा के सुचारु, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा नियंत्रक द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्रों पर कडी निगरानी एवं सख्त जांच व्यवस्था लागू की गई है। परीक्षार्थियों को जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित रहेगा। परीक्षार्थी केवल चप्पल या सैंडल पहनकर ही प्रवेश कर सकेंगे। किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ डिवाइस, पेन ड्राइव आदि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में केवल ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, निर्धारित स्याही का पेन, पारदर्शी पानी की बोतल एवं आवश्यकता अनुसार दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए स्वीकृत सामग्री ही साथ ला सकेंगे। स्टेशनरी सामग्री, पर्स, बेल्ट, धूप का चश्मा, टोपी, घडी, आभूषण एवं अन्य अनावश्यक वस्तुएँ प्रतिबंधित रहेंगी। महिला परीक्षार्थियों की तलाशी पूर्ण गरिमा के साथ महिला अधिकारीध्कर्मचारी द्वारा की जाएगी। धार्मिक प्रतीकों जैसे हिजाब, पगडी, कलावा अथवा ताबीज की जांच सम्मानपूर्वक की जाएगी, उन्हें हटाने या क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं होगी। सभी परीक्षार्थियों से समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पहुँचने एवं निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को कोषालयीन प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा म.प्र., भोपाल द्वारा दिए गए निर्देशों तथा कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के अनुमोदन के पश्चात नवीन कलेक्टर परिसर में स्थित ई-दक्ष केंद्र में 23 अप्रैल 2026 को जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण कोषालयीन प्रक्रियाओं जैसे असफल ई-भुगतान, समग्र लिंकिंग, कर्मचारियों के नामांकन (नॉमिनेशन), बिलों में कर्मचारियों से संबंधित आपत्तियों आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती हेमलता शर्मा (वरिष्ठ कोषालय अधिकारी) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में सिस्टम मैनेजर श्री कमलेश पाटिल एवं सहायक कोषालय अधिकारी श्री जीएल आर्से द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही उपस्थित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा पूछी गई शंकाओं एवं समस्याओं का समाधान कर उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

जनपद पंचायत झिरन्या में योजनाओं की समीक्षा बैठक

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मिलिंद कुमार नागदेवे द्वारा जनपद पंचायत झिरन्या में विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद पंचायत की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 347 कार्यों को 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, जिनमें अमृत सरोवर, खेत तालाब, कूप रिचार्ज एवं अन्य जल संरक्षण कार्य शामिल हैं। मनरेगा जॉब कार्डधारी हितग्राहियों के 11,189 ई-केवाईसी शेष होने पर तीन दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समग्र ई-केवाईसी की प्रगति 65 प्रतिशत होने पर एक माह में 100 प्रतिशत पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। आकांक्षी योजना अंतर्गत आंगनवाडी केंद्रों के 56 शौचालय 30 अप्रैल तक पूर्ण करने, प्रधानमंत्री आवास योजना के लंबित कार्यों में तेजी लाने, नल-जल योजना में वसूली सुनिश्चित करने तथा एनआरएलएम दीदियों एवं उनके परिवारजनों का बीमा कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने स्पष्ट किया कि सभी योजनाओं में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सर्वोपरि रहेगी। बैठक में जनपद सीईओ श्रीमती रीमा अंसारी, सहायक यंत्री, उपयंत्री, बीसी आवास, स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन से बीएम, ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक संस्थाएं जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागी बने श्री चंद्रा

स्वैच्छिक संगठनों को 'पंख' देगा जन अभियान परिषद- सशक्तिकरण हेतु जिला स्तरीय बैठक संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सामाजिक संस्थाओं के समन्वय एवं योजनाओं में भागीदारी पर हुई विस्तृत चर्चा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा स्वैच्छिक संगठनों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से दृष्टि योजना अंतर्गत 'पंख' कार्यक्रम आरंभ किया गया है। इसी क्रम में जिले में विभिन्न सामाजिक विषयों पर कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों के कार्यों को विस्तार देने तथा समन्वय बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन की उपस्थिति में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

जिला समन्वयक श्री वीरेंद्र सिंह ठाकुर ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए परिषद की योजनाओं एवं जल गंगा संवर्धन अभियान की पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया, कि जिले में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों की एक जिला स्तरीय डायरेक्टरी तैयार की जाना है, जिसके अंतर्गत अलग-अलग क्षेत्र और विषयों में कार्य करने वाले स्वयंसेवी संगठनों का सूचीकरण किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की। कलेक्टर द्वारा म.प्र.जन अभियान परिषद की गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, नशामुक्ति अभियान, सृजन, लोककला, रोजगार एवं पर्यावरण से संबंधित स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से परिचय प्राप्त कर शासन की योजनाओं में भागीदारी, क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा, समाधान और सुधार पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा, कि आप सभी संस्थाएं अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। सामाजिक समस्याओं का हल समाज से ही निकलता है। सभी विभाग अपने-अपने विभाग की योजनाओं, अभियानों, बाल विवाह उन्मूलन, स्कूलों में प्रतिदिन योग, बालिकाओं के लिए सेल्फ डिफेंस, नर्सरी एवं पौधरोपण, जल गंगा संवर्धन, पर्यावरण, बच्चों के स्वास्थ्य, गौशाला प्रबंधन, सामाजिक उत्थान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाएं तथा शासन की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार में सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लिया जाए।

जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अमन वैष्णव ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत व्यापक स्तर पर जन सहयोग से कार्य करने, भजन संध्या, योग, ध्यान के माध्यम से जल संरक्षण हेतु जन जागरूकता पर मार्गदर्शन दिया। डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन द्वारा जनगणना अंतर्गत स्व-जनगणना करने एवं आम लोगों में इसके प्रति जन जागरूकता कर उनसे स्वयं स्व-जनगणना ऑनलाइन सबमिट करने हेतु कार्य करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

राजस्व कार्यों में संवेदनशीलता एवं तत्परता बरतेंः कलेक्टर श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरुवार को टाउन हॉल, नीमच में आयोजित जिले के सभी राजस्व अधिकारियों और पटवारियों की विभागीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि सभी राजस्व अधिकारी एवं पटवारी शासकीय जमीनों के संरक्षण, रास्ता विवाद, अतिक्रमण प्रकरण, दिव्यांगजनों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं कमजोर वर्ग के व्यक्तियों के राजस्व संबंधी कार्यों को संवेदनशीलता के साथ स्वयं आगे आकर तत्परतापूर्वक करें। अच्छा कार्य करने वाले सहयोगियों से सीखें, समझें और अपने कार्य में सुधार लाएं। कार्यों में पारदर्शिता रखें। बैठक में ए.डी.एम. श्री बी.एस. कलेश, सभी एस.डी.एम., तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित थे।

राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने संपूर्ण राजस्व अमले एवं पटवारियों को निर्देशित किया कि विभाग द्वारा वर्षभर के कार्यों की जिला राजस्व कार्ययोजना बनाई गई है। सभी कार्ययोजना के अनुरूप समय-सीमा में समर्पित होकर कार्य करें और विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में नीमच जिला इस वर्ष प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। नीमच की संपूर्ण राजस्व टीम ने उत्कृष्ट कार्य किया है, सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि नीमच जिले की राजस्व टीम ने शासकीय जमीनों के संरक्षण का भी सराहनीय कार्य किया है, यह कार्य निरंतर जारी रहे। अब तक जिले में चार हजार हेक्टेयर से अधिक शासकीय भूमि का संरक्षण किया जा चुका है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व रिकॉर्ड अद्यतन करें, शासकीय भूमियों को संरक्षित करें तथा सभी शासकीय भूमियों के बंटाकन एवं तरमीम का कार्य पूर्ण करें।

राजस्व न्यायालयों के आदेशों के अमल एवं अनुपालन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सभी तहसीलदार एस.डी.एम. के माध्यम से एक सप्ताह में आदेश के अमल एवं अनुपालन का प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। पीठासीन अधिकारी द्वारा आदेश पारित करने के साथ ही आदेशों की पालना सुनिश्चित हो। बैठक में कलेक्टर ने तहसीलवार फार्मर आई.डी. बनाने, आर.ओ.आर., ई-के.वाई.सी., आधार लिंकेज, नक्शा तरमीम, नक्शा विहीन ग्रामों के नक्शा निर्माण कार्य की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए।

इस अवसर पर कलेकर श्री चंद्रा ने राजस्व विभाग के विभिन्न पैरामीटर्स पर उत्कृष्ट कार्य करने पर पटवारियों और राजस्व अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर, सम्मानित भी किया। कलेक्टर ने तहसीलदार मनासा श्री मुकेश निगम, तहसीलदार रामपुरा श्री मृगेन्द्र सिसोदिया, नायब तहसीलदार सिंगोली श्री बी.के.मकवाना एवं पटवारी नीमच श्री शशिप्रकाश आर्य, श्री सुरेश पाठक, श्री कमलसिह, श्री पंकज वर्मा, श्री सुरेश कुमार यादव, सुश्री रविना एवं सुश्री रेखा उपाध्याय जावद, पटवारी सिंगोली सुश्री स्वाति जैन, रामपुरा के पटवारी श्री भारत धाकड एवं सुश्री रश्मि त्यागी को उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अंत में एसडीएम नीमच ने आभार व्यक्त किया।

किसानों की सुविधा व पारदर्शिता को लेकर कलेक्टर का औचक निरीक्षण

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल द्वारा किसानों के हित में गेहूं, चना उपार्जन एवं उर्वरक भण्डारण व्यवस्थाओं का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने झिरन्या कृषि उपज मंडी पहुंचकर गेहूं एवं चना उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल ने उपार्जन केन्द्रों पर भण्डारित गेहूं एवं चना का समयबद्ध परिवहन सुनिश्चित करने, हम्मालों तथा तौल कांटों की पर्याप्त व्यवस्था रखने तथा कृषकों की स्लॉट बुकिंग की सम्पूर्ण प्रक्रिया सुचाऱ्ऱ्प से संचालित करने के निर्देश राजस्व, खाद्य एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को दिए। इस दौरान किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी गईं तथा मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए गए।

इसके पश्चात् भीकनगांव में उर्वरक भण्डारण एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने निर्देशित किया कि किसान अग्रिम ऱ्प से उर्वरकों का उठाव करें तथा जिले को आवंटित उर्वरक का पूर्ण भण्डारण प्राथमिकता से समितियों में एवं तत्पश्चात् मार्कफेड में किया जाए। साथ ही भण्डारण क्षमता बढाने के लिए अतिरिक्त गोदामों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा बिंजलवाडा सिंचाई परियोजना अंतर्गत ग्राम खारवी के पंप नंबर-04 का भ्रमण कर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि श्री एसएस राजपूत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री लोकेश छापरे, क्षेत्रीय प्रबंधक मार्कफेड श्री अर्पित तिवारी, जिला विपणन अधिकारी श्री रोहित श्रीवास्तव, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री एचएस मुवेल, तहसीलदार श्री केएस चैहान एवं श्री रविन्द्र चैहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मस्तिष्क विकास के लिए शुरुआती 6 वर्ष और प्रथम 1000 दिन है सबसे महत्वपूर्ण - मंत्री सुश्री भूरिया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में 8वें पोषण पखवाड़ा का समापन गुरूवार को हुआ। इस अवसर पर आई एच एम भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और पोषण को लेकर प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने वैज्ञानिक तथ्यों को साझा करते हुए कहा कि एक सशक्त राष्ट्र की नींव बच्चों के स्वस्थ बचपन में छिपी है और इसके लिए जीवन के शुरुआती 6 वर्ष सबसे निर्णायक होते हैं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने मिशन पोषण 2.0 की सफलता पर कहा कि विज्ञान यह सिद्ध कर चुका है कि मनुष्य के मस्तिष्क का अधिकांश विकास उसके जीवन के शुरुआती छह वर्षों में ही हो जाता है। ऐसे में गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दूसरे जन्मदिन तक के प्रथम 1000 दिन वह सुनहरा कालखंड हैं, जहाँ सही पोषण और उचित देखभाल के जरिए एक मजबूत पीढ़ी का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने माताओं से आग्रह किया कि वे अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि एक स्वस्थ माँ ही सुपोषित भविष्य की जननी है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने शिशु स्वास्थ्य के बुनियादी सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए कहा किकोलोस्ट्रम यानी माँ के पहले गाढ़े पीले दूध को नवजात का पहला टीका माना जाता है। उन्होंने स्तनपान की सही तकनीक और जन्म से छह माह तक केवल स्तनपान के महत्व पर जोर दिया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि छह माह की आयु पूर्ण होने के बाद बच्चों को सही समय पर पौष्टिक ऊपरी आहार देना अनिवार्य है, जिससे उनकी शारीरिक और मानसिक वृद्धि में कोई बाधा न आए। उन्होंने आधुनिक दौर की चुनौतियों का जिक्र करते हुए अभिभावकों को सचेत किया कि वे बच्चों का स्क्रीन टाइम यानी मोबाइल और टीवी से दूरी कम करें और उन्हें खेल-आधारित शिक्षा की ओर प्रेरित करें।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत मध्यप्रदेश ने पूरे देश में जन आंदोलन पोर्टल पर गतिविधियों की प्रविष्टि के मामले में देश भर में तीसरे स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से कुपोषण को दूर करने, स्तनपान को बढ़ावा देने और स्वस्थ आहार के साथ बच्चों के प्रारंभिक विकास पर विशेष बल दिया गया।

मंत्री सुश्री भूरिया ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और कुपोषण निवारण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंचों, जनप्रतिनिधियों और कर्मठ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इन पोषण योद्धाओं की सक्रियता के कारण ही मध्यप्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति चेतना जागी है।

कार्यक्रम में आयोजित पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मोटे अनाजों और संतुलित आहार के मॉडलों की सराहना की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल 15 दिनों के आयोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संतुलित पोषण को हर घर की दैनिक आदत बनाना हमारा साझा लक्ष्य है। समारोह का समापन एक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित जनसमूह ने हर बच्चे के मस्तिष्क विकास और सर्वांगीण स्वास्थ्य के लिए निरंतर कार्य करने की शपथ ली।

चंद्र शेखर आजाद नगर में एसडीएम एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, कई प्रतिष्ठानों से लिए गए सैंपल

आलीराजपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य विभाग राजस्व विभाग के नेतृत्व में लगातार निरीक्षण कर रहा है। इसी क्रम में एसडीएम सुश्री दीपिका पाटीदार की उपस्थिति में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नगर आलीराजपुर में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने होटल, रेस्टोरेंट एवं किराना दुकानों की जांच करते हुए साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और मानकों का परीक्षण किया। कार्रवाई के तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने भी लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि लिए गए सैंपलों में खाद्य सामग्री एवं कोल्ड ड्रिंक्स के नमूने शामिल हैं, जिन्हें जांच के लिए राज्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा। तथा एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री जब्त की गई। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिन प्रतिष्ठानों से सैंपल लिए गए, उनमें मुख्य रूप अब्बास कुर्बान हुसैन, सेफी इंटरप्राइजेज, शुक्ला किराना, बदरी किराना, आदिनाथ इंटरप्राइजेज,और शिवशंभु ट्रेडर्स पर कार्रवाई की गई ।

डॉक्टरों के प्रयासों से सुरेश को मिला नया जीवन

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा में सुरेशलाल पिता सखाराम उम्र 49 वर्ष गंभीर हालत में गत दिनों भर्ती हुए थे। सुरेश को जब जिला चिकित्सालय लाया गया था तब उनकी स्थिति काफी चिंताजनक थी। उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या के साथ-साथ सांस लेने में अत्यधिक तकलीफ हो रही थी। सुरेश की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एम.डी. मेडिसिन डॉक्टर पंकज जैन एवं उनकी टीम जिसमें डॉक्टर संदीप परिहार, डॉक्टर पर्णवी भगत एवं डॉक्टर स्नेह एवं आईसीयू इंचार्ज सुरेखा पवार, मनीषा, प्रियंका और छाया चौहान द्वारा उन्हें तुरंत आई.सी.यू. में भर्ती कर वेंटिलेटर पर रखने का निर्णय लिया। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने सुरेश की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी। सटीक दवाओं और निरंतर देखभाल का परिणाम यह रहा कि मरीज सुरेश की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होने लगा।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं पंजीयक लोक न्यास, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन, म.प्र.

क्रमांक =35/री-1/2026/ — बड़नगर, दिनांक- 7/04/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राठौड़ कम्पेलिया सेवा समिति सुकलाना तहसील बडनगर, जिला उज्जैन के अध्यक्ष श्री विष्णु राठौड़ निवासी ग्राम सुकलाना तहसील बडनगर, जिला उज्जैन एवं अन्य न्यासीगण द्वारा मध्यप्रदेश लोकन्यास अधिनियम 1951 की धारा 4 के अंतर्गत कथित लोकन्यास के पंजीकरण किये जाने बावत आवेदन किया गया है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त संबंध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह प्रकरण में नियत दिनांक 28/04/2026 तक इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तयार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते है अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते है। निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/ दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

परिशिष्ट

न्यास का नाम	संपत्ति का विवरण
1	2
राठौड़ कम्पेलिया सेवा समिति सुकलाना तहसील बडनगर, जिला उज्जैन	चल संपत्ति – रुपये 21000/- अचल संपत्ति – निरंक

आज दिनांक 7/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया।

(धीरेन्द्र पाराशर)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं
पंजीयक लोक न्यास बड़नगर, जिला उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन के स्टेशनों पर जाकर अधिकारियों ने लिया रेलवे के कार्यों का जायजा

पिंगलेश्वर-पंवासा में काम संतोषजनक, नईखेड़ी सहित प्रमुख स्टेशनों पर सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर प्रशासन, पुलिस और रेलवे अब पूरी तरह फील्ड में उतर आया है। गुरुवार को संभागायुक्त, कलेक्टर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रेलवे अफसरों के साथ सेल्फ प्रोपेलाइड इंस्पेक्शन कार (स्पिक) में बैठकर रेलवे कार्यों का निरीक्षण किया।

बता दें कि स्पिक एक आधुनिक रेलवे निरीक्षण यान है, जो दोनों तरफ से संचालित हो सकता है और पूरी तरह वातानुकूलित होता है। इसमें बैठकर अधिकारी ट्रैक के दोनों ओर चल रहे निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हैं। जरूरत पड़ने पर वे बीच में उतरकर भी कार्यों की जांच करते हैं। इस निरीक्षण में डीआरएम अश्विनी कुमार की अनुपस्थिति में एडीआरएम (इंफ्रा) अक्षय कुमार ने अधिकारियों को कार्यों की जानकारी दी और विभिन्न स्टेशनों का दौरा कराया।

पिंगलेश्वर स्टेशन पर दिखी तैयारी, पंवासा में नया स्टेशन- निरीक्षण की शुरुआत उज्जैन-भोपाल ट्रैक पर स्थित पिंगलेश्वर स्टेशन से हुई। यह स्टेशन पिछले तीन सिंहस्थ (1992, 2004 और 2016) में अहम भूमिका निभा चुका है। इस बार भी यहां व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। भोपाल, बीना और ग्वालियर रूट से आने वाले यात्रियों के लिए यह स्टेशन महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके बाद टीम पंवासा पहुंची, जहां अब तक केवल हॉल्ट स्टेशन था। इस बार यहां पूर्ण विकसित रेलवे स्टेशन बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने यहां हो रहे निर्माण कार्यों और यात्री सुविधाओं को संतोषजनक पाया।

नईखेड़ी में सुविधाओं पर फोकस, अन्य स्टेशनों का भी निरीक्षण- निरीक्षण टीम नईखेड़ी स्टेशन भी पहुंची, जो उज्जैन-मुंबई रेललाइन पर स्थित है और सिंहस्थ के दौरान प्रमुख स्टेशन माना जाता है। यहां से मेला क्षेत्र तक पहुंच आसान होती है। अधिकारियों ने यहां चल रहे कार्यों पर संतुष्टि जताई, साथ ही आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए। इसके अलावा विक्रम नगर, चिंतामणि और ताजपुर जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों और हाल्टिंग पॉइंट्स का भी निरीक्षण किया गया।

यात्री सुविधाओं और सुरक्षा पर विशेष जोर- संयुक्त निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए बेहतर रेलवे सुविधाएं सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म विस्तार, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, ट्रेनों की आवाजाही और सुरक्षा इंतजामों का आकलन किया गया। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर रेलवे के साथ समन्वय स्थापित किया।

कमियों पर तुरंत सुधार के निर्देश- अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन में रेलवे की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए छोटे से छोटे स्टेशन को भी व्यवस्थित और सक्षम बनाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जहां भी कमियां सामने आई, उन्हें तत्काल सुधारने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण दल में संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा सहित प्रशासन, पुलिस और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

युवक से रिमांड पर पूछताछ, महिला को भेजा जेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैकिंग के दौरान उन्हेल पुलिस ने बाइक पर सवार महिला और युवक को रोका तो भागने का प्रयास करने लगे। दोनों को पकड़ा गया और युवक की तलाशी ली गई तो उसके पास से 55.47 ग्राम ड्रग्स बरामद हो गई। महिला को जेल भेज युवक को 3 दिनों की रिमांड पर लिया है।

उन्हेल थाना पुलिस ने बताया कि इंगोरिया चौपाटी पर वाहन चैकिंग पाइंट लगाया गया था। इस दौरान नागदा की ओर से बिना नम्बर की बाइक पर एक युवक और महिला आते दिखाई दिये। बाइक को रोकने का प्रयास किया तो युवक ने रास्ता बदलकर भागने का प्रयास किया। शंका होने पर चैकिंग पाइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने पीछा कर दोनों को पकड़ा और पूछताछ शुरू की। युवक ने अपना नाम सोहेल पिता मोहम्मद अनवर 34 साल निवासी बेगमबाग उज्जैन और महिला ने रूबीना पति अजहर सैय्यद 36 साल निवासी महिदपुर बताया। पुलिस ने बाइक संबंधित दस्तावेज मांगे और तलाशी ली तो उनके पास से 55.47 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। जहां से महिला को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सोहेल को 3 दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। बताया जा रहा है कि सोहेल रतलाम से ड्रग्स लेकर आता था और सप्लाई करता था। महिला उसकी सहयोगी है। सोहेल के खिलाफ महाकाल थाना उज्जैन में कई अपराधिक मामले भी दर्ज है।

चेरिटेबल अस्पताल में तोड़फोड़, युवक पर केस दर्ज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चेरिटेबल अस्पताल में 13 अप्रैल की रात हुई तोड़फोड़ के मामले में जीवाजीगंज थाना पुलिस ने 8 दिन बाद अस्पताल स्टॉफ के अतुल पिता मंगलप्रसाद मिश्रा निवासी रीवा हाल मुकाम चेरिटेबल अस्पताल की शिकायत पर विष्णु पिता योगेश गोस्वामी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। अतुल के अनुसार रात 11.30 बजे आरोपी युवक शराब के नशे में अंदर घुस गया था, जिसे बाहर निकालने का प्रयास किया तो उसने अस्पताल की खिड़की के कांच फोड़ दिये और गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस के अनुसार तोड़फोड़ करने वाले नाम सामने आया है, वह कहां का रहने वाले है, इसका पता लगाया जा रहा है।

मंदिर से लौट रहे युवक को 3 बदमाशों ने मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदिर से लौट रहे युवक को रास्ते में तीन बदमाशों ने रोक कर चाकू मार दिए। घायल रातभर सड़क किनारे पड़ा रहा गुरुवार सुबह पुलिस सूचना मिलने पर अस्पताल लेकर पहुंची। चाकू मारने वाले अज्ञात है। नई सड़क पर रहने वाला लीलाधर पिता गंगाराम 35 साल रात में नरसिंह घाट क्षेत्र स्थित कर्कराज मंदिर दर्शन करने गया था जहां से वापस लौटते समय रास्ते में उसे तीन बदमाशों ने रोका और चाकू मार दिया। घायल होने पर लीलाधर रात भर सड़क किनारे पड़ा रहा सुबह सूचना मिलने पर डायल 112 मौके पर पहुंची और उसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। घायल लीलाधर का कहना था कि चाकू मारने वालों को पहचानता नहीं है। वही आशंका जताई जा रही है कि घायल नशे का आदी है विवाद होने पर उसके साथ घटना हुई है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखने की बात कही है फिलहाल घायल के बयान दर्ज कर घटना का पता लगाया जा रहा है।

मेडिसिटी, पुल निर्माण कार्यों की तरह अन्य निर्माण कार्यों में भी गति बनाकर रखें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के विश्व स्तरीय आयोजन के लिए विकास कार्य किए जा रहे है। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में सिंहस्थ 2028 के सफल आयोजन के दृष्टिगत गठित पर्यवेक्षण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन मेडिसिटी और पुल निर्माण के कार्य निर्धारित समयानुसार ही चल रहे है। इसकी गति बनाए रखे और यह कोशिश करें की निर्माण कार्य समय से पहले पूर्ण कर सके। मुख्य सचिव ने निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गति को लगातार मॉनीटरिंग करते रहे और वर्षा ऋतु के पहले आधारभूत संरचना के कार्य पूर्ण कर लें जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, संभाग आयुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह आदी।

उज्जैन में कौशल मार्गदर्शन और ऑन-साइट सहयोग से ठेकेदारों की सफलता को प्रेरित कर रही है अंबुजा सीमेंट्स

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स मध्य प्रदेश भर में स्थानीय ठेकेदारों की क्षमताओं को सशक्त बनाने का कार्य लगातार कर रही है। उज्जैन में बालू सिंह की प्रेरणादायक यात्रा–एक युवा दिहाड़ी मजदूर से व्यक्तिगत आवास निर्माण के क्षेत्र में एक भरोसेमंद नाम बनने तक–इस बात का उदाहरण है कि कौशल मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग किस तरह करियर को नई दिशा दे सकते हैं। पिछले 15 वर्षों में उन्होंने 30 से अधिक घरों का निर्माण किया है और अनेक परिवारों का विश्वास जीता है।

निर्माण क्षेत्र में बालू के शुरुआती दिन पूरी तरह से कार्यस्थलों पर व्यावहारिक सीख के साथ गुज़रे। जब अंबुजा सीमेंट्स के इंजीनियरों ने पहली बार काहलाना में उनसे मुलाकात की, तो उन्होंने बेहतर निर्माण पद्धतियों को साझा किया, सही तकनीकों का प्रदर्शन किया और उन्हें आईएमपी (इंस्टेंट मिक्स प्रपोर्शन) सेवा से परिचित कराया। इस मार्गदर्शन से न केवल उनके काम की गुणवत्ता और साफ-सफाई में सुधार हुआ, बल्कि उन्हें अपने कौशल को और बेहतर बनाने की प्रेरणा भी मिली। धीरे-धीरे उनकी लगन और आधुनिक तरीकों को अपनाने की प्रतिबद्धता ने उन्हें अंबुजा सीमेंट्स का एक भरोसेमंद सहयोगी बना दिया।

आज बालू सिंह 4 से 5 सक्रिय एसीटी (अंबुजा सर्टिफाइड टेक्नोलॉजी) निर्माण स्थलों का प्रबंधन कर रहे हैं और अंबुजा सीमेंट्स के लॉयल्टी प्रोग्राम से भी लाभान्वित हो रहे हैं, जिसके तहत उन्हें दुर्घटना बीमा कवरेज भी प्राप्त हुआ है। उज्जैन में अपनी विश्वसनीयता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान के लिए जाने जाने वाले बालू सिंह इस बात का उदाहरण हैं कि ज्ञान, दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन के साथ निर्माण क्षेत्र में दीर्घकालिक सफलता प्राप्त की जा सकती है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 का सर्वे कार्य 25 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रहा हैं शहर की सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए - निगम आयुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन- स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 - 26 अभियान के अंतर्गत सर्वे कार्य 25 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रहा है विजिटर टीम द्वारा उज्जैन शहर की सफाई व्यवस्था का किसी भी समय भ्रमण किया जा सकता है इसलिए शहर की सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से ध्यान रखते हुए नवीन टूलकिट के अनुसार कार्य करना है उक्त निर्देश निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा दिए गए।

स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से ध्यान रखा जाकर निरंतर जन जागरूकता गतिविधियों का संचालन आईईसी टीम के माध्यम से किया जा रहा है शहर के प्रमुख उद्यानों, जल संरचनाओं की विशेष रूप से सफाई कार्य, कचरा पृथक्करण अंतर्गत गीला एवं सूखा कचरा अलग अलग संग्रहित किए जाने का कार्य साथ ही स्वच्छता अभियान अंतर्गत शहर के नागरिकों की भी मुख्य भूमिका रहेगी जिनके सकारात्मक फीडबैक के परिणाम स्वरुप ही हम स्वच्छता में नंबर वन आएंगे उज्जैन शहर पिछली बार सुपर स्वच्छता लीग अंतर्गत 3 से 10 लाख की जनसंख्या में प्रथम स्थान पर आया था यह स्थान हमें निरंतर बनाए रखना है इस बार की परीक्षा में उन्हेल नगर परिषद को भी स्वच्छ शहर जोड़ी के अंतर्गत शामिल किया गया है जहां पर स्वच्छता की कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, स्वच्छता से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही है इसी के साथ गंगा रिवर टाउन भी एक स्वच्छता अभियान की केटेगिरी है जिसके अंतर्गत उज्जैन शहर क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित है इसलिए नदी की स्वच्छता का ध्यान भी रखा जा रहा है निगम आयुक्त के निर्देश अनुसार क्षिप्रा कवच टीम का गठन किया गया है जो घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को जागरूक करने का कार्य कर रही है। सर्वेक्षण अंतर्गत मुख्य बिंदु जिसमें कचरा सेग्रीगेशन शत प्रतिशत किया जाना, शहर की जल संरचनाओं की सफाई, बरसाती नाले/नालियों की सफाई, नालों की कवरिंग एवं स्क्रीनिंग जाली लगवाई जाना, जुर्माने के बोर्ड एवं जल संरचनाओं के पास चेतावनी बोर्ड, वेस्ट टू वंडर पार्क का संचालन, दीवारों पर स्वच्छता के स्लोगन, सुंदर चित्रकारी करना, बायोमेडिकल वेस्ट के लिए अलग से कचरा गाड़ी में सेक्शन एवं उसी में मेडिकल वेस्ट को डालना आदी।

उज्जैन में उड़नदस्ता टीम ने 12 बाल विवाह रुकवाए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जिले में बाल विवाह रोकने के लिए निर्देश पर गठित उड़नदस्ता टीम ने अप्रैल माह में अब तक 12 बाल विवाह होने से पहले ही रुकवा दिए हैं। टीम की त्वरित कार्रवाई और लोगों द्वारा सूचना दिए जाने के कारण यह सफलता मिली है। प्रशासन को इन मामलों की जानकारी आम नागरिकों की सतर्कता से मिली। सूचना मिलते ही उड़नदस्ता मौके पर पहुंचा और दोनों पक्षों को बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों और इसके सामाजिक, स्वास्थ्य एवं पारिवारिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया। समझाइश के बाद सभी मामलों में परिवारों ने बाल विवाह नहीं करने पर सहमति दी। कलेक्टर सिंह ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत आंगनवाड़ी केंद्र, पुलिस थाना, हेल्पलाइन नंबर 1098, पंचायत सचिव, कोटवार या आशा कार्यकर्ता को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है और हर सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले में एक भी बाल विवाह न हो और बेटियों का भविष्य सुरक्षित रहे।

सडक़ चौड़ीकरण की खुदाई से फूटी पीएचई लाइन, नलों में आया बदबुदार पानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोयला फाटक से कंठाल चौराहे तक किए जा रहे सडक़ चौड़ीकरण कार्य के दौरान नरेन्द्र टॉकीज से लेकर निजातपुरा के बीच क्षेत्र में की गई खुदाई से क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां सडक़ खोदकर भूमिगत बड़े पाइप डालने के लिए के लिए की गई खुदाई के दौरान गड्ढों में नाली का गंदा पानी भर गया, वहीं खुदाई के दौरान पीएचई की पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इसके कारण आज गुरुवार सुबह जब पूरे इलाके में घरों के नलों से बदबुदार और मटमैला पानी आने लगा। पानी की स्थिति देखकर रहवासियों में नाराजगी फैल गई। कई लोगों ने अपने घरों में भरे गंदे पानी के बर्तन और नलों से आ रहे मटमैले पानी को मीडियाकर्मियों को दिखाते हुए समस्या से अवगत कराया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सडक़ चौड़ीकरण के लिए यहां खुदाई की गई थी, जिसके बाद कई जगह नाली का पानी गड्ढों में भर गया। गड्ढों में नाली का गंदा पानी भरने और पाइपलाइन फूटने के कारण सीवरेज मिला पानी नलों में पहुंच रहा है। इससे लोगों को पेयजल के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। रहवासियों ने कहा कि पीएचई और नगर निगम जल्द से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने और गड्ढे को भरने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में लोगों को हो रही परेशानी से राहत मिल सके। रहवासियों ने बताया कि नलों से आ रहे बदबुदार और मटमैले पानी के कारण पीने योग्य पानी की समस्या खड़ी हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया तो बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है।

सी-21 मॉल के पास बने फूड जोन को टेंडर का इंतजार

34 दुकानों से रोजगार की आस — इंदौर के छप्पन दुकान मॉडल पर हुआ है तैयार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के नानाखेड़ा क्षेत्र में बड़े उत्साह के साथ तैयार किया गया नैवेद्य लोक फूड जोन उद्घाटन के बाद भी शुरू नहीं हो पाया है। वजह साफ है, दुकानों के किराए (रेट) तय नहीं हुए हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) अब तक टेंडर जारी नहीं कर सका है, जिससे करोड़ों की परियोजना फिलहाल ठप पड़ी है।

करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से सी-21 मॉल के पास विकसित इस फूड जोन को इंदौर के प्रसिद्ध छप्पन बाजार की तर्ज पर बनाया गया है। यहां कुल 34 दुकानें तैयार की गई हैं, लेकिन रेट तय न होने के कारण कारोबार शुरू नहीं हो पा रहा है।

लोकार्पण के बाद भी इंतजार- 19 मार्च को गुड़ी पड़वा और हिंदू नववर्ष पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसका लोकार्पण किया था। उद्घाटन के बाद चार दिनों तक अस्थायी रूप से निःशुल्क स्टॉल लगाए गए, जिससे यहां अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। इसके बाद से यह फूड जोन फिर से शांत हो गया और लोग इसके नियमित संचालन का इंतजार कर रहे हैं।

एक ही जगह मिलेगा हर स्वाद- नैवेद्य लोक को इस तरह डिजाइन किया गया है कि शहरवासियों और बाहर से आने वाले पर्यटकों को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के व्यंजन मिल सकें। खास बात यह है कि यहां शुद्ध और सात्विक भोजन पर जोर रहेगा, जिससे उज्जैन की धार्मिक और सांस्कृतिक छवि भी मजबूत होगी।

पांच कैटेगरी में बनी दुकानें- फूड जोन में दुकानों को अलग-अलग आकार के अनुसार पांच श्रेणियों में बांटा गया है। इनका आकार करीब 62 से 180 वर्गफीट तक है। इससे छोटे और बड़े दोनों तरह के व्यापारियों को अवसर मिलने की उम्मीद है।

सुविधाओं से लैस आधुनिक फूड जोन- नैवेद्य लोक को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इसमें ओपन थिएटर और सांस्कृतिक मंच, सीसीटीवी कैमरों से पूरी निगरानी, साउंड सिस्टम और एलईडी व्यवस्था,अंडरग्राउंड बिजली और सीवरेज, पार्किंग की सुविधा, नो व्हीकल जोन के अलावा महिलाओं और बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था रहेगी।

रोजगार और व्यापार की उम्मीदें- इस फूड जोन के शुरू होने से शहर में रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। स्थानीय व्यापारियों को भी बड़ा प्लेटफॉर्म मिलेगा, जिससे आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

जल्द आएगा टेंडर- यूडीए के पीआरओ प्रशांत साठे के अनुसार, रेट तय नहीं होने के कारण टेंडर जारी नहीं किया गया है। जल्द ही रेट फाइनल कर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

पोषण पखवाड़ा अंतर्गत कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास, दशहरा मैदान में निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पोषण पखवाड़ा अंतर्गत शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैरवगढ़ द्वारा कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास, दशहरा मैदान में निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्वेता गुजराती, एम.डी. आयुर्वेद द्वारा उपस्थित बालिकाओं एवं स्टाफ को मोबाइल फोन एवं डिजिटल उपकरणों के शारीरिक व मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में समझाया गया। सभी ने एक समुदाय के रूप में स्वयं को एवं आने वाली पीढ़ी को मोबाइल फोन व अन्य डिजिटल मशीनों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए संकल्प लिया।

साथ ही बालिकाओं का हीमोग्लोबिन, शुगर तथा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर रोगानुसार पुनर्नवा मण्डूर, चन्द्रप्रभा वटी, दशमूलारिष्ट आदि आयुर्वेदिक औषधियां निःशुल्क वितरित की गई। बालिकाओं को उत्तम पोषण के लिए आदर्श दिनचर्या के विषय में समझाया गया तथा प्रतिदिन योग एवं प्राणायाम करने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में डॉ. तरुण तिवारी, सामुदायिक आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, श्रीमती पुष्पलता मरमट, हॉस्टल वार्डन, श्रीमती राखी चन्द्रावत, सहायक वार्डन, श्रीमती लक्ष्मी सोलंकी एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया।

पंथपिपलई के पास दुर्घटना में युवक की हुई मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड स्थित पंथपिपलई में हुई दुर्घटना में घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। गुरुवार सुबह परिजनों ने हत्या का आरोप लगा दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत दुर्घटना में ही होना सामने आई है। भैरवगढ़ क्षेत्र के ग्राम कोलूखेड़ी में रहने वाला राजनाथ पिता दिलीप नाथ 26 साल बुधवार को बाइक से अपने ससुराल सांवेर के समीप लक्ष्मणखेड़ी गया था। देर रात वापस लौटते समय पंथपिपलई के समीप हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एम्बुलेंस अस्पताल लेकर पहुंची। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजन जानकारी लगने पर अस्पताल पहुंच गए थे। नानाखेड़ा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान मृतक की मौसी के लड़के प्रभु ने आरोप लगाया कि राजनाथ की हत्या हुई है। उसने कॉल कर मां को बताया था कि उसके साथ मारपीट हो रही है। लेकिन यह नहीं बताया था कि मारपीट कहां हो रही है और कौन कर रहा है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि घटना स्थल पर अज्ञात वाहन से टक्कर होना सामने आया है। प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का है। परिवार द्वारा लगाए गए आरोप की जांच की जाएगी हैं। मृतक मजदूरी करता था और एक बच्चे का पिता था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मामला स्पष्ट हो जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों का अंबार: उज्जैन में 8 हजार से ज्यादा मामले लंबित

रेटिंग में टॉप-5 में जिला, लेकिन जमीनी हकीकत अलग- नगर निगम, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और शिक्षा से जुड़ी शिकायतें सबसे ज्यादा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीएम हेल्पलाइन की ताजा ग्रेडिंग रिपोर्ट ने उज्जैन जिले की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए है। आंकड़ों के मुताबिक जिले में 8586 शिकायतें लंबित हैं, जो यह बताने के लिए काफी हैं कि आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अब भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

हालांकि रिपोर्ट में जिले का कुल वेटेज स्कोर 83.17 दर्ज किया गया है, जो तकनीकी रूप से इसे प्रदेश के टॉप-5 जिलों में खड़ा करता है, लेकिन जमीनी हकीकत इस सफलता पर सवाल खड़े करती नजर आ रही है। शिकायतों का बढ़ता आंकड़ा साफ संकेत दे रहा है कि सिस्टम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं कर रहा है।

नगर निगम बना शिकायतों का हॉटस्पॉट- दस्तावेजों के विश्लेषण से साफ है कि सबसे ज्यादा शिकायतें नगर निगम और स्थानीय निकायों से जुड़ी हैं। शहर की बुनियादी व्यवस्थाएं जैसे कचरा संग्रहण, गंदगी और चोक नालों को लेकर 452 से अधिक शिकायतें लंबित हैं। यह स्थिति शहर की सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पेयजल और स्ट्रीट लाइट की समस्या बरकरार- शहर में पेयजल आपूर्ति को लेकर 116 शिकायतें और खराब स्ट्रीट लाइट की 62 शिकायतें लंबित हैं। यह दर्शाता है कि जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली सुस्त बनी हुई है और आमजन को रोजमर्रा की परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।

शिक्षा और मंदिर व्यवस्थाओं पर भी सवाल- शिक्षा के क्षेत्र में भी हालात बेहतर नहीं हैं। विक्रम विश्वविद्यालय से जुड़ी मार्कशीट और परीक्षा परिणामों की 151 शिकायतें लंबित हैं।

वहीं, विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर भी 18 शिकायतें पेंडिंग हैं, जो वीआईपी मॉनिटरिंग के दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं।

जवाबदेही का अभाव, एल-1 स्तर पर फंसी फाइलें- हाल ही में 20 अप्रैल को आई रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अधिकांश शिकायतें एल-1 (प्राथमिक स्तर) पर ही अटकी हुई हैं। इसका मतलब साफ है कि वार्ड स्तर के कर्मचारी, लाइनमैन और क्लर्क अपनी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

शिकायतों का निपटारा न होना यह भी दर्शाता है कि न तो अधिकारियों में जवाबदेही का भाव है और न ही सिस्टम में पारदर्शिता।

समाधान के इंतजार में जनता- लगभग 9 हजार के करीब पहुंचती शिकायतों की संख्या इस बात का प्रमाण है कि उज्जैन की जनता अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। कागजों में बेहतर रैंकिंग के बावजूद उज्जैन की हकीकत यह है कि आमजन आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रहा है। अगर समय रहते लंबित शिकायतों का निराकरण नहीं हुआ तो यह शिकायतों का अंबार और बढ़ सकता है।

ड्रायवर के साथ मारपीट, बहन ने बुलाई पुलिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार सुबह नागझिरी उद्योगपुरी में ड्रायवर को आधा दर्जन लोगों ने घेर लिया और हमला कर दिया। हमलावर उसे घर तक ले गए और पटककर भाग निकले। बहन ने पुलिस बुलाई और घायल भाई को अस्पताल पहुंचाया। नागझिरी क्षेत्र में रहने वाला पप्पू पिता रमेशचंद्र डाबी ड्रायवरी करता है। उसने अपनी लोडिंग गाड़ी नागझिरी उद्योगपुरी स्थित बालाजी तौलकांटे के पास रात में खड़ी की थी। सुबह वह गाड़ी लेने के लिए तौलकांटे के पास पहुंचा था। इस दौरान अंकित, अभिषेक, शुभम और तीन चार अन्य पहले से खड़े थे। उन्होंने पप्पू को घेर लिया और हमला कर दिया। यही नहीं पप्पू को घायल करने के बाद वह उसके घर तक लेकर पहुंचे और छोड़कर भाग निकले। पप्पू को घायल हालत में बहन ने देखा तो डायल-112 पर कॉल किया और अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल पप्पू पर हमला क्यों हुआ है इसकी वजह सामने नहीं आ पाई है। लेकिन बताया जा रहा है कि पप्पू पर हमला करने वालों का कहना था कि गाली गलौच क्यों करता है। पप्पू का कहना था कि अंकित, अभिषेक, शुभम उद्योगपुरी में ही काम करते हैं। उनसे कोई विवाद नहीं हुआ था न ही गाली गलौच हुई थी। फिलहाल पुलिस मामले में जांच कर रही है।